Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 137 | शुक्रवार, 22 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

हर जनपद में हो निवेश, जनपदों की पर कैपिटा इनकम बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करें: मुख्यमंत्री

इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने लीड्स 2025 रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को मिला एग्जेम्प्लर अवार्ड मुख्यमंत्री को सौंपा, सीएम ने दी बधाई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों संग बैठक की। इस दौरान उन्होंने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 5.0) की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी को बताया कि 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जीबीसी 5.0 के अंतर्गत हर जनपद में निवेश हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने जनपदों की पर कैपिटा इनकम बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए मैन्युफेक्चरिंग पावर को बढ़ावा देना आवश्यक है। इस अवसर पर इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने विगत दिनों लीड्स 2025 रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को मिले एग्जेम्प्लर अवार्ड को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को समर्पित किया। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश लॉजिस्टिक्स एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने इस पुरस्कार के लिए इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री के समक्ष जीबीसी के दौरान पूरे आयोजन का विस्तार से ब्योरा प्रस्तुत किया गया। इसमें स्टेज डिजाइन से लेकर पाथवे, एग्जीबिशन लेआउट को भी प्रस्तुत किया गया। एग्जीबिशन को 8 जोन में विभाजित किया गया है। पहला जोन- व्हाई यूपी है, जिसमें उत्तर प्रदेश के बदले परिदृश्य को विस्तार से दिखाया जाएगा। जोन 2 में इंफ्रास्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन, जोन 3 में डिफेंस व एयरोस्पेस, जोन 4 में ईवी एवं ग्रीन एनर्जी सस्टेनिबिलिटी, जोन-5 में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफेक्चरिंग, जोन-6 में टेक्सटाइल्स, जोन-7 में टूरिज्म तथा जोन-8 में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में यूपी में आए सार्थक बदलाव को विस्तार से प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर में भूमि की मांग तेजी से बढ़ी है।

इसके सापेक्ष हमें भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर देना होगा। इसके अलावा उन प्रोजेक्ट्स में, जहां वर्षों पूर्व भूमि आवंटित की गई, लेकिन अब तक निवेश नहीं हुआ है। ऐसे प्रोजेक्ट्स के बारे में भी अद्यतन जानकारी हासिल की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण विषय एफडीआई को आमंत्रित करना है। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करने होंगे।

अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ी राहत, अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी मामले में 31 जुलाई तक कार्रवाई पर रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कलकत्ता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस को उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया है। दरअसल, कलकत्ता हाई कोर्ट का यह फैसला चुनाव रैलियों के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ दिए गए कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में आया है, हाई कोर्ट ने कहा है कि पुलिस टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 31 जुलाई तक कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे। न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने अंतरिम आदेश सुनाते हुए कहा, 'प्रतिवेदनों पर विचार करने और कथित अपराध की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, न्यायालय पाता है कि याचिकाकर्ता से हिरासत में पूछताछ आवश्यक नहीं है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता का अधिकार बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत संरक्षित है। इस स्तर पर न्यायालय पुलिस को निर्देश देता है कि वह 31 जुलाई तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, याचिकाकर्ता के विरुद्ध कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे।' अभिषेक बनर्जी ने किया था अमित शाह को चैलेंज अभिषेक बनर्जी ने चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में चैलेंज करते हुए कहा था, 'मैं अमित शाह को चैलेंज करता हूं, यदि आप में दम है तो 4 तारीख को कोलकाता में रहिएगा 12 बजे के बाद मुलाकात होगी। आप कितने बड़े गुंडा हैं 4 तारीख को पता चलेगा। खेला तुम लोगों ने शुरू किया है शेष टीएमसी करेगी। 4 तारीख को चुनावी नतीजे आने के बाद अभिषेक बनर्जी के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा।' इसके बाद बिधाननगर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक समाजसेवक राजीव सरकार की शिकायत के आधार पर अभिषेक बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

'पापा, मैं पूरी जिम्मेदारी उठाऊंगा', राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राहुल गांधी का भावुक पोस्ट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर उनके साथ अपने बचपन की एक तस्वीर शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह अपने पिता के मजबूत और समृद्ध भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए काम करना जारी रखेंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि पापा, आपने जिस कुशल, समृद्ध और सशक्त भारत का सपना देखा था, मैं उसे साकार करने की जिम्मेदारी पूरी तरह निभाऊंगा। आपकी शिक्षाएं, आपके मूल्य और आपकी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी दिल्ली स्थित उनके स्मारक वीर भूमि पर जाकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस श्रद्धांजलि समारोह के दौरान प्रियंका गांधी के बच्चे मिराया और रेहान वाड्रा भी मौजूद थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजीव गांधी को भारत का एक असाधारण सपूत बताया और टेक्नोलॉजी, शिक्षा तथा स्थानीय शासन में सुधारों के माध्यम से आधुनिक भारत को आकार देने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

खरगे ने एक्स पर लिखा कि भारत एक पुराना देश है लेकिन एक युवा राष्ट्र है। मैं एक ऐसे भारत का सपना देखता हूं। जो मजबूत, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर हो और मानव जाति की सेवा में दुनिया के देशों में सबसे आगे हो। उन्होंने आगे लिखा कि उनके शहादत दिवस पर, हम पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जो भारत के एक असाधारण सपूत थे और जिन्होंने देश भर के लाखों लोगों में आशा और आकांक्षाओं को प्रेरित किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राजीव गांधी को युवाओं के लिए आशा का प्रतीक बताया और कहा कि गांधी परिवार ने पीढ़ियों से देश के लिए बलिदान दिया है।

UNI ELECTRO SALES PVT LTD
M.K. Electronics & Ref. - Moti Bagh (8800660000)
Bharat Electronics - Najafgarh (9315194200)
Yamuna Electronics - Yamuna Vihar (9999884659)

Ashish Electronics - Jacubpura (9999404110)
Neeru Electronics - Malviya Nagar (9873731719)
Raj Kumar Electronics (India) - Karawal Nagar (9818387828)
Shilpi Mobile and Electronics Private Limited - Khanpur (8800794709)

SLG Electronics Pvt Ltd - Najafgarh (9971711747)
Unique Electronics,Delhi (TCL) - Saidulajab (9555666408)
Bakshi Television Co. - Pahar Ganj (9810636397)

संपादक की कलम से

पेट्रोल बचत का ज्ञान, सरकारी गाड़ियों में खानदान

ललित शर्मा
संपादक

देश में जब भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को 'ईंधन बचत' की चिंता सताने लगती है। टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है। एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं। तब जनता के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि आखिर ईंधन बचाने का बोझ केवल आम आदमी के हिस्से में ही क्यों आता है? वास्तव में यह समस्या केवल पेट्रोल या डीजल की नहीं है, बल्कि मानसिकता की है। हमारे यहाँ सत्ता और पद को अक्सर सेवा नहीं, विशेषाधिकार समझ लिया जाता है। जैसे ही कोई व्यक्ति बड़े पद पर पहुँचता है, उसके आसपास सुविधाओं का ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें सरकारी संसाधनों को निजी जीवन का हिस्सा मान लिया जाता है। सरकारी गाड़ी फिर केवल प्रशासनिक कार्य का माध्यम नहीं रहती, बल्कि प्रतिष्ठा और प्रभाव का प्रतीक बन जाती है। यही कारण है कि कई बार सरकारी वाहन कार्यालय से अधिक परिवार की सुविधाओं के लिए दौड़ते दिखाई देते हैं। विडंबना देखिए कि जिस देश में करोड़ों लोग रोजाना महँगे पेट्रोल के कारण अपनी यात्राएँ सीमित कर रहे हैं, वहाँ जनता के टैक्स से चलने वाली गाड़ियों का निजी उपयोग सामान्य बात मान ली जाती है। आम आदमी अपने बच्चे की फीस भरने और पेट्रोल डलवाने के बीच संतुलन बैठाता है, जबकि सत्ता के गलियारों में सरकारी ईंधन पर पारिवारिक आराम चलता रहता है। यही दृश्य जनता के भीतर असंतोष पैदा करता है, क्योंकि त्याग का उपदेश वही दे रहा होता है जो स्वयं त्याग करने को तैयार नहीं दिखता। इतिहास गवाह है कि समाज केवल भाषणों से नहीं बदलता, उदाहरणों से बदलता है। यदि नेता और अधिकारी वास्तव में ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो सबसे पहले उन्हें स्वयं अपने घर से शुरुआत करनी चाहिए। यदि सरकारी गाड़ियाँ केवल सरकारी कार्यों तक सीमित हो जाएँ, यदि बच्चों के स्कूल आने-जाने और शॉपिंग जैसी निजी गतिविधियों में उनका प्रयोग बंद हो जाए, तो यह किसी बड़े अभियान से अधिक प्रभावशाली संदेश होगा। जनता वही अपनाती है जो वह अपने नेतृत्व में देखती है। आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि सत्ता और जनता के बीच नैतिक दूरी बढ़ती जा रही है। जब जनता देखती है कि उसे सादगी और बचत का पाठ पढ़ाने वाले लोग स्वयं विलासिता और विशेषाधिकार में जी रहे हैं, तब उसका विश्वास कमजोर होता है। लोकतंत्र केवल कानूनों से नहीं चलता, बल्कि नैतिक विश्वसनीयता से भी चलता है। यदि शासन करने वाले लोग स्वयं नियमों का पालन न करें, तो जनता से अनुशासन की अपेक्षा करना केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

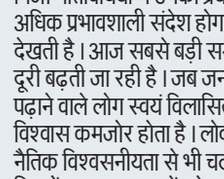

शिक्षक पढ़ाए भी, पोर्टल भी भरे – बिना मोबाइल कैसे चले?

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

विद्यालयों में अध्यापकों के मोबाइल फोन उपयोग को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। कहीं नए आदेश जारी हो रहे हैं, कहीं निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को चेतावनियाँ दी जा रही हैं, तो कहीं यह टिप्पणी सुनने को मिलती है कि 'कक्षा में मोबाइल शिक्षक की लापरवाही का प्रतीक है।' पहली नजर में यह बात अनुशासन और शिक्षा के हित में उचित प्रतीत होती है। सचमुच, जब शिक्षक पढ़ाने के बजाय मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त दिखाई दे तो विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

लेकिन जब इस पूरे विषय को सतह से नीचे जाकर देखा जाता है, तब एक अलग ही सच्चाई सामने आती है। सवाल यह उठता है कि क्या वास्तव में मोबाइल समस्या है, या फिर समस्या उस व्यवस्था की है जिसने शिक्षा को इतनी अधिक डिजिटल निर्भरता में बाँध दिया है कि शिक्षक के हाथ से मोबाइल अलग करना लगभग असंभव हो गया है?

आज शिक्षा व्यवस्था का लगभग हर कार्य ऑनलाइन माध्यमों पर आधारित हो चुका है। विद्यार्थियों की उपस्थिति पोर्टल पर भरनी है, विभागीय पत्र मोबाइल पर प्राप्त होते हैं, परीक्षा परिणाम ऑनलाइन अपलोड करने हैं, छात्रवृत्ति का डेटा डिजिटल करना है, यू-डाइस पोर्टल अपडेट करना है, विभिन्न सर्वे भरने हैं, बैठकों की सूचना व्हाट्सऐप समूहों में आती है और ऊपर से हर कुछ दिनों में कोई नया लिंक या नया ऐप शिक्षकों के सामने आ जाता है। विडंबना देखिए कि एक ओर सरकार और विभाग 'डिजिटल इंडिया' और 'स्मार्ट एजुकेशन' का प्रचार करते हैं, दूसरी ओर उसी डिजिटल प्रक्रिया को निभाने वाला शिक्षक मोबाइल हाथ में ले तो वह संदेह के घेरे में आ जाता है। विभाग के आदेश व्हाट्सऐप पर आएँगे, जवाब तुरंत माँगा जाएगा, देर होने पर जवाबदेही तय होगी, लेकिन यदि शिक्षक मोबाइल का प्रयोग करे तो उसे अनुशासनहीनता का प्रतीक घोषित कर दिया जाएगा। यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था की दोहरी मानसिकता को उजागर करती है।

निश्चित रूप से यह नहीं कहा जा सकता कि मोबाइल का दुरुपयोग नहीं होता। कई स्थानों पर ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहाँ कुछ शिक्षक पढ़ाई के समय निजी कॉल, सोशल मीडिया या अनावश्यक चैट में व्यस्त रहते हैं। यह न केवल शिक्षा की गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ भी अन्याय है। कक्षा ज्ञान का मंदिर है, निजी मनोरंजन का मंच नहीं। लेकिन क्या कुछ लोगों की गलती के कारण पूरे शिक्षक समुदाय पर कठोर प्रतिबंध थोप देना न्यायसंगत होगा? यदि किसी वाहन चालक के कारण दुर्घटना होती है तो क्या पूरे समाज के वाहनों पर रोक लगा दी जाती है? यदि कुछ विद्यार्थी मोबाइल का दुरुपयोग करते हैं तो क्या पूरी तकनीक को दोषी मान लिया जाता है? किसी साधन का गलत उपयोग उस साधन की आवश्यकता और उपयोगिता को समाप्त नहीं कर देता। असल समस्या मोबाइल नहीं, बल्कि उसके उपयोग की संस्कृति है। आज शिक्षक केवल अध्यापक नहीं रह गया है। वह शिक्षक के साथ-साथ डेटा एंट्री ऑपरेटर, पोर्टल मैनेजर, सर्वे कर्मचारी और प्रशासनिक सहायक की भूमिका भी निभा रहा है। कभी पोर्टल नहीं खुल रहा, कभी लिंक फेल हो रहा है, कभी देर रात तक रिपोर्ट माँगी जा रही है, तो कभी छुट्टी के दिन भी ऑनलाइन मीटिंग का संदेश आ जाता है। शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग अब यह महसूस करने लगा है कि पढ़ाने से अधिक समय कागजी और डिजिटल प्रक्रियाओं में खर्च हो रहा है। स्थिति इतनी विचित्र हो चुकी है कि कई बार शिक्षक आधा दिन विद्यार्थियों को पढ़ाने में और आधा दिन मोबाइल या लैपटॉप पर सरकारी कार्य पूरा करने में बिताता है। ऊपर से अपेक्षा यह रहती है कि परिणाम भी उत्कृष्ट हों, रिकॉर्ड भी अपडेट रहे, हर पोर्टल समय पर भरा जाए और मोबाइल भी हाथ में न दिखाई दे। यह वैसा ही है जैसे किसी व्यक्ति से कहा जाए कि पानी में उतरकर भीगना मत। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि यदि मोबाइल पर इतना ही विरोध है तो क्या शिक्षा विभाग अपने सभी आदेश ऑफलाइन देने को तैयार है? क्या हर विद्यालय में पर्याप्त कंप्यूटर, तेज इंटरनेट और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध हैं? क्या हर शिक्षक को अलग डिजिटल संसाधन दिए गए हैं? क्या सरकारी कार्यों के लिए अलग संस्थागत उपकरण उपलब्ध हैं?

सच्चाई यह है कि अधिकांश स्कूलों में बुनियादी डिजिटल सुविधाएँ भी पूरी नहीं हैं। कई शिक्षक अपने निजी मोबाइल, अपने इंटरनेट डेटा और अपने संसाधनों से सरकारी कार्य करते हैं। विभागीय आदेशों का पालन भी अपने खर्च पर करते हैं, लेकिन जब वही मोबाइल कक्षा में दिखाई देता है तो संदेह का वातावरण बन जाता है। यह विरोधाभास केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक दृष्टिकोण का भी हिस्सा बन चुका है। समाज आज तकनीक का लाभ तो चाहता है, लेकिन उसके उपयोग की जटिलताओं को स्वीकार नहीं करना चाहता। हम चाहते हैं कि शिक्षक आधुनिक भी हो, डिजिटल भी हो, हर जानकारी से अपडेट भी रहे, लेकिन मोबाइल हाथ में लेते ही उसे कठघरे में खड़ा कर दिया जाए।

कोविड-19 महामारी के समय यही मोबाइल शिक्षा का सबसे बड़ा सहारा बना था। जब विद्यालय बंद थे, तब अध्यापक अपने मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ ले रहे थे, नोट्स भेज रहे थे, वीडियो बना रहे थे और विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुँचाने का हर संभव प्रयास कर रहे थे। उस समय समाज ने शिक्षकों को 'डिजिटल योद्धा' कहा था। लेकिन महामारी के बाद वही मोबाइल अचानक अनुशासन का दुश्मन घोषित कर दिया गया।

दरअसल समस्या तकनीक नहीं, बल्कि संतुलन की कमी है। यदि शिक्षक मोबाइल का उपयोग शैक्षणिक सामग्री दिखाने, जानकारी खोजने, विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान करने या विभागीय कार्य पूरा करने के लिए करता है, तो वही तकनीक शिक्षा को आधुनिक और प्रभावी बना सकती है। लेकिन यदि उसका उपयोग निजी मनोरंजन और समय बर्बादी के लिए हो, तो वह गलत है।

इसलिए आवश्यकता पूर्ण प्रतिबंध की नहीं, बल्कि स्पष्ट और संतुलित नीति की है। विद्यालयों में ऐसे दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं जिनमें कक्षा के दौरान मोबाइल का उपयोग केवल शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों तक सीमित रहे। निजी कॉल, सोशल मीडिया और अनावश्यक चैट पर स्पष्ट रोक हो। यदि कोई शिक्षक लगातार दुरुपयोग करता है तो व्यक्तिगत स्तर पर कार्रवाई की जाए, लेकिन पूरी शिक्षकीय व्यवस्था को संदेह की निगाह से न देखा जाए। इसके साथ-साथ शिक्षा विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यदि शिक्षा को डिजिटल बनाना है तो विद्यालयों में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ। हर सरकारी कार्य शिक्षक के निजी मोबाइल पर डाल देना और फिर उसी मोबाइल के उपयोग पर सवाल उठाना कहीं न कहीं व्यवस्था की असंगति को दर्शाता है।

आज का विद्यार्थी डिजिटल युग में जी रहा है। वह इंटरनेट, स्मार्टफोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दुनिया का हिस्सा है। ऐसे समय में यदि शिक्षक तकनीक से पूरी तरह दूर कर दिया जाएगा तो शिक्षा व्यवस्था समय से पीछे छूट जाएगी। आवश्यकता यह नहीं कि मोबाइल छीन लिया जाए, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उसका उपयोग जिम्मेदारी और मर्यादा के साथ हो।

शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है। यदि वही तकनीक का संतुलित उपयोग नहीं करेगा तो विद्यार्थियों को डिजिटल अनुशासन कौन सिखाएगा? विद्यालयों का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। डिजिटल अनुशासन भी उसी शिक्षा का हिस्सा है।

आज जरूरत यह है कि शिक्षक को दोषी मानने की मानसिकता बदली जाए। यह समझना होगा कि व्यवस्था ने उसके हाथ में केवल चॉक नहीं, बल्कि मोबाइल भी थमा दिया है। जब हर आदेश ऑनलाइन होगा, हर रिपोर्ट डिजिटल होगी और हर सूचना व्हाट्सऐप पर आएगी, तब मोबाइल शिक्षक की जेब में नहीं, उसकी जिम्मेदारियों में दिखाई देगा।

इसलिए समाधान प्रतिबंध नहीं, संतुलन है। मोबाइल को दुश्मन मानकर शिक्षा व्यवस्था आगे नहीं बढ़ सकती। तकनीक को समझदारी से अपनाना और उसके उपयोग की मर्यादा तय करना ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वरना स्थिति यही रहेगी– शिक्षक पढ़ाए भी, पोर्टल भी भरे और फिर पूछा जाए कि मोबाइल क्यों चला रहे हो?

खामोशी का साम्राज्य: जहाँ मुद्दे नहीं, डर शासन करता है

एन0के0शर्मा
लेखक

दुनिया के इतिहास में सत्ता के कई रूप देखे गए—राजतंत्र, तानाशाही, लोकतंत्र, साम्यवाद—लेकिन एक ऐसा शासन भी धीरे-धीरे आकार ले चुका है जिसका कोई औपचारिक नाम नहीं है। यह शासन बंदूक, कानून या चुनाव से नहीं चलता; यह चलता है एक अदृश्य, लेकिन सर्वव्यापी शक्ति से—डर। यह वही दौर है जहाँ मुद्दे अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं और उनकी जगह ले लेती है एक संगठित खामोशी। यह खामोशी स्वाभाविक नहीं है; यह निर्मित है, पोषित है, और सबसे खतरनाक बात—यह स्वीकार कर ली गई है। आज दुनिया के अनेक ज्वलंत मुद्दे—चाहे वे आर्थिक असमानता हों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ह्रास हो, संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्न हों या फिर मानवाधिकारों के उल्लंघन—इन पर चर्चा होना तो दूर, इनकी ओर संकेत करना भी कई बार जोखिमपूर्ण हो गया है। ऐसा नहीं है कि लोग इन समस्याओं से अनजान हैं; बल्कि सच्चाई यह है कि लोग जानते हुए भी चुप हैं। यह चुप्पी मजबूरी से कहीं अधिक एक मनोवैज्ञानिक नियंत्रण का परिणाम है, जहाँ व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए सच से दूरी बना लेता है।

यह साम्राज्य किसी एक देश या व्यवस्था तक सीमित नहीं है। विकसित राष्ट्रों से लेकर विकासशील देशों तक, हर जगह एक समान पैटर्न उभर रहा है—मीडिया का नियंत्रित होना, असहमति का हाशिए पर जाना, और जनमत का सूक्ष्म तरीके से प्रबंधन। सूचना के इस युग में, जहाँ हर व्यक्ति के हाथ में एक मंच है, वहाँ सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि सच्ची आवाजें सबसे कम सुनाई देती हैं। यह एक ऐसा परिदृश्य है जहाँ सूचना की अधिकता के बीच सत्य सबसे अधिक छिप जाता है।

डर का यह शासन केवल बाहरी नहीं है; यह भीतर तक पैठ चुका है। यह व्यक्ति के विचारों को सीमित करता है, उसकी अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है और अंततः उसकी चेतना को सुन्न कर देता है। जब एक समाज इस स्थिति में पहुँच जाता है कि वह स्वयं ही अपने प्रश्नों को दबाने लगे, तो यह किसी भी बाहरी सेंसरशिप से कहीं अधिक घातक होता है। यही वह बिंदु है जहाँ खामोशी एक विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्यता बन जाती है।

इस खामोशी का सबसे भयावह पक्ष यह है कि यह धीरे-धीरे सामान्यीकृत हो जाती है। जो कभी अस्वीकार्य था, वह अब 'व्यवस्था का हिस्सा' बन जाता है। लोग अन्याय को देखकर भी प्रतिक्रिया नहीं देते, क्योंकि उन्हें सिखा दिया गया है कि प्रतिक्रिया देना व्यर्थ या खतरनाक है। यह मानसिकता केवल वर्तमान को नहीं, बल्कि भविष्य को भी खोखला कर देती है। आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे वातावरण में पनपती हैं जहाँ प्रश्न पूछना विद्रोह माना जाता है और सच बोलना जोखिम। सत्ता, समाज और संस्थाएँ—तीनों इस खामोशी के सह-निमार्ता बन जाते हैं। सत्ता इसे बनाए रखने में स्वाभाविक रूप से रुचि रखती है, क्योंकि यह उसे जवाबदेही से मुक्त करती है। समाज, अपने भय और सुविधा के कारण, इसे स्वीकार कर लेता है। और संस्थाएँ, जो कभी सत्य के प्रहरी मानी जाती थीं, कई बार इस व्यवस्था का हिस्सा बन जाती हैं। इस त्रिकोणीय गठजोड़ के बीच सबसे बड़ी हानि होती है—सत्य की। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या यह खामोशी स्थायी है? इतिहास बताता है कि कोई भी दमन, चाहे वह कितना ही सूक्ष्म क्यों न हो, अंततः टूटता है। परंतु यह टूटन स्वतः नहीं होती; इसके लिए साहस, जागरूकता और सामूहिक चेतना की आवश्यकता होती है। जब तक व्यक्ति अपने भीतर के डर को पहचानकर उसका सामना नहीं करता, तब तक यह साम्राज्य बना रहेगा। आज आवश्यकता केवल बोलने की नहीं, बल्कि सचेत होकर बोलने की है। यह समझने की है कि खामोशी केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि एक सामूहिक परिणाम है जिसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। जब एक व्यक्ति चुप रहता है, तो वह केवल अपनी आवाज नहीं खोता, बल्कि वह उस व्यवस्था को भी मजबूत करता है जो उसे चुप कराना चाहती है। 'खामोशी का साम्राज्य' कोई काल्पनिक अवधारणा नहीं, बल्कि एक जीवंत यथार्थ है। यह हमारे चारों ओर है, हमारे भीतर है, और सबसे खतरनाक रूप में—हमारी स्वीकृति में है। इस साम्राज्य को चुनौती देने का पहला कदम है इसे पहचानना, दूसरा है इसे अस्वीकार करना, और तीसरा—अपने डर के बावजूद सच के साथ खड़े होना।

क्योंकि अंततः, जहाँ मुद्दे नहीं बल्कि डर शासन करता है, वहाँ लोकतंत्र, न्याय और मानवता केवल शब्द बनकर रह जाते हैं। और जब शब्द ही खोखले हो जाएँ, तो सभ्यता का आधार भी धीरे-धीरे ढहने लगता है।

मोदी-मेलोनी की मेलोडी डिप्लोमेसी: मुस्कान बनी मैसेज, मिठास बनी मैप

प्रो. आरके जैन
लेखक

रोम की ऐतिहासिक प्राचीरों के साए में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी का पैकेट भेंट किया, तो दुनिया ने सिर्फ एक मीठा पल नहीं, बल्कि वैश्विक विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती ताकत और प्रभाव का स्पष्ट संकेत देखा। यह 'मेलोडी' डिप्लोमेसी महज वायरल सेल्फी या कोलोसियम की सैर नहीं थी। यह दो मजबूत राष्ट्रवादियों के बीच उस रणनीतिक गठबंधन की शुरूआत थी, जो यूरोप के मध्य में भारत को नया द्वार खोल रहा है। जबकि विपक्ष 'टॉफी डिप्लोमेसी' पर तंज कस रहा है, हकीकत यह है कि मोदी की इस यात्रा ने भारत-इटली संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' स्तर पर ऊंचा उठा दिया है। पुरानी कांग्रेस संस्कृति की 'चाय पी लो' वाली आलोचना अब पुरानी पड़ चुकी है। वैश्विक कूटनीति के बदलते परिदृश्य के बीच इस दौरे में दोनों देशों ने संयुक्त 'जॉइंट स्ट्रैटेजिक एक्शन प्लान 2025-2029' की समीक्षा की और कई ठोस आउटकम्स/एम.ओ.यूज पर सहमति जताई। द्विपक्षीय व्यापार को 2029 तक 20 बिलियन यूरो तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया। रक्षा उद्योग सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स, समुद्री परिवहन, कृषि, उच्च शिक्षा, नर्स भर्ती और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक समझौते हुए। सबसे महत्वपूर्ण, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को नई गति मिली। इटली भूमध्य सागर का अहम प्रवेश द्वार है, जिससे यह साझेदारी भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को 'एक्ट वेस्ट' की दिशा में भी मजबूत आधार देती है। जबकि विपक्ष 'मेलोडी' पर व्यंग्य कर रहा है, वास्तविकता यह है कि मोदी-मेलोनी ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की ठोस नींव रखी है। यह यात्रा महज द्विपक्षीय नहीं, बल्कि बहुपक्षीय महत्व की है। दोनों नेताओं ने वैश्विक मुद्दों पर

खुलकर चर्चा की। चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की विविधता पर सहमति बनी। दोनों देशों ने एक्शन प्लान की समीक्षा के लिए विदेश मंत्रियों के नेतृत्व वाले एक मैकेनिज्म के गठन पर सहमति जताई है। यह संस्थागत मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेलोनी की सरकार मजबूत राष्ट्रवादी रुख के साथ अवैध प्रवासन और यूरोपीय संप्रभुता पर सख्त नीति अपनाती है, जबकि मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' और मेलोनी की 'इटली फर्स्ट' सोच में स्पष्ट समानता दिखती है। दोनों ने साफ संदेश दिया कि लोकतंत्र और राष्ट्रवाद की नींव पर खड़े देश एक-दूसरे के साथ खड़े हो सकते हैं, वैश्विक संतुलन को नई दिशा दे सकते हैं। यह वह सोच है जिससे कांग्रेस और उसके गठबंधन वाले हमेशा कतराते रहे। वे तो अभी भी 'चीन भाई-चीन' वाली पुरानी लीक पर अटके हैं। इतिहास के पन्नों में यह यात्रा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव की एक सशक्त मिसाल के रूप में दर्ज हुई। कोलोसियम में संयुक्त भ्रमण, राजकीय रात्रिभोज, गार्ड ऑफ ऑनर और मेलोनी द्वारा हिंदी कहावत 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है' का उल्लेख—ये सभी क्षण दोनों देशों के बीच बढ़ती आत्मीयता को दशार्ते हैं। इटली में भारतीय समुदाय की उपस्थिति और सक्रियता लगातार मजबूत हो रही है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं। भले ही कुछ लोग सांस्कृतिक कूटनीति को कम आँकते हों, पर वास्तविकता यह है कि सॉफ्ट पावर के बिना वैश्विक प्रभाव अधूरा रहता है, और इसी संतुलन को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया है। भारत और यूरोप के बीच आर्थिक रिश्ते अब नए विस्तार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। लगभग 16.77 बिलियन डॉलर के व्यापार आधार के साथ यह साझेदारी निवेश, तकनीक और संयुक्त उत्पादन को नई ऊर्जा दे रही है। रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन के अवसर मजबूत हो रहे हैं, वहीं स्वच्छ ऊर्जा और एआई जैसे भविष्य-केंद्रित क्षेत्रों में सहयोग भारत को यूरोपीय तकनीकी क्षमता से और अधिक जोड़ रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को चीन से अलग करने की चल रही कोशिशों के बीच भारत की रणनीतिक भूमिका लगातार बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीति ने इस परिवर्तन में भारत को निर्णायक स्थिति में ला खड़ा किया है, जबकि विपक्ष अब भी बड़े आर्थिक दृष्टिकोण की बजाय सीमित मुद्दों तक ही सिमटा दिखाई देता है। विपक्ष की आलोचना इस दौर की एक चिंताजनक सच्चाई बनकर सामने आती है। राहुल गांधी जैसे नेता जब 'टॉफी डिप्लोमेसी' पर व्यंग्य करते हैं, तो वे देश की गरिमा और विदेश नीति की गंभीरता को कमजोर करते प्रतीत होते हैं। जब भारत वैश्विक पटल पर मजबूती से अपनी स्थिति स्थापित कर रहा है, तब भी उन्हें विदेश नीति केवल 'मोदी का प्रचार' कहकर सीमित करने की प्रवृत्ति से आगे बढ़ते नहीं देखा जाता। यह भी स्मरणीय है कि वही विपक्ष पहले 'चीन के साथ दोस्ती' जैसे विचारों को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत करता रहा है।

कुएँ बावड़ी रो रहे, सूखे सब जलस्रोत

डॉ. प्रियंका सौरभ

कविता

बूँद-बूँद से सिंधु है, बूँदों से संसार।
जल बिन सूना ये जगत, जल से ही उद्धार॥
सूखे नद-नाले सभी, प्यासा हुआ जहान।
जल संरक्षण कीजिए, सुन लो हे इंसान॥

धरती माँ की गोद में, जल अमृत की खान।
व्यर्थ न इसको बहाइए, रखिए इसका मान॥
मेघ बरसते प्रेम से, भरते नदिया-ताल।
जल से हरियाली रहे, जल से सब खुशहाल॥

कुएँ बावड़ी रो रहे, सूखे सब जलस्रोत।
जल बच जाए आज तो, कल रहे ओतप्रोत॥
प्यासे पंछी पूछते, कहाँ गया वह नीर।
जल के बिन सूना लगे, जीवन होकर पीर॥

ताल-तलैया सूखते, सूखे खेत-खलिहान।
जल बिन कैसे जीवित रहे, पशु-पक्षी इंसान॥
जल है तो कल भी रहे, जल से जीवन-राग।
जल की रक्षा कीजिए, यही समय की माँग॥
वर्षा जल को रोककर, भर लो अपने कूप।
जल संकट से बच सके, गाँव नगर और रूप॥
नदियाँ माँ की गोद हैं, मत करना अपमान।
जल को निर्मल रखिए, यही सच्चा सम्मान॥

पेड़ लगाओ प्रेम से, आएँगे फिर मेघ।
जल-संकट मिट जाएगा, हरे होंगे सब खेत॥
जल की कीमत तब समझ, जब सूखें सब स्रोत।
बूँद-बूँद को जोड़कर, जीवन हो ओतप्रोत॥

प्रकृति देती चेतना, सुनिए उसका गान।
जल बचाना धर्म है, यही सच्चा अभियान॥

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बिजली कंपनियों के निजीकरण से कार्मिकों का वेतन, सेवा शर्तें, पेंशन असुरक्षितः डॉ संजय सिंह, राष्ट्रीय महासचिव, इंटक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

दिल्ली। बिजली फेडरेशन के राष्ट्रीय सेकेट्री जनरल,ज्ञआल इंडिया इंटक के राष्ट्रीय महासचिव डॉ संजय सिंह ने मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर के प्रतिनिधियों और मध्यप्रदेश के अन्य श्रम संगठनों के साथ हुई बैठक में प्रतिनिधि गणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन देश में बिजली कंपनियों के निजीकरण को बड़ी तीव्र गति से करने समुचित प्रयास कर रही है किन्तु इन कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों संविदा कर्मियों के ना तो वेतन की और ना ही सेवा शर्तों यथावत रहेगी का निर्धारण कर रही है। इसी तरह देश की बिजली कंपनियों से सेवा निवृत्त हुए लाखों पेंशनर्स की पेंशन की गारंटी राज्य सरकारें नहीं ले रही है। जिससे इन बिजली कंपनियों में कार्यरत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स के मन में अपने भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना बनी हुई है।डॉ संजय सिंह जी ने कहा कि श्रम संगठनों को श्रमिकों के हित को सर्वोपरि रखकर कार्य करना चाहिए। हर समस्या का समाधान चर्चा से बैठकर ही निकलता है। उन्होंने कहा कि निजीकरण से सबसे ज्यादा संविदा,आऊट सोर्स कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों का भविष्य असुरक्षित हो जाएंगा,अर्थात उनका शोषण होगा। बैठक में अनेक श्रम संगठनों का नेतृत्व करने वाले श्री रामराज्य तिवारी जी,खदान और अन्य श्रम संगठनों के नेता श्री नरेंद्र मिश्रा, मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन जबलपुर के महामंत्री राकेश डीपी पाठक, जोनल सचिव एन के यादव, प्रांतीय उपाध्यक्ष उमाशंकर मेहता, अफसार अहमद, गोपाल चौहान, रामेश्वर गांगे सहित अन्य फेडरेशन के साथी उपस्थित थे। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर द्वारा श्रम संगठनों के राष्ट्रीय नेता संजय सिंह का शाल,

श्रीफल, पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर मध्यप्रदेश इंटक के उपाध्यक्ष रामराज तिवारी ने कहा कि नये श्रम संहिता लागू होने से अब श्रमिकों, कामगारों की समस्यायों, मांगों का समाधान होना बड़ी जटिल समस्या हो जाएंगा। उन्होंने मध्यप्रदेश की स्थिति पर विस्तृत प्रकाश डाला। इंटक सचिव नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि श्रमिकों, कामगारों की समस्यायों के समाधान हेतु वे निरंतर प्रयास रत रहते हैं,अनेक प्रकरणों में लेबर कमिश्नर के समक्ष स्वत. पैरवी कर न्याय दिला रहे हैं। बैठक में फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि नयी श्रम संहिता लागू होने और बिजली कंपनियों के निजीकरण से बिजली कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों, पेंशनर्स पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कार्मिकों, कंपनी कैडर कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के विषय में फेडरेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों, प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। राकेश डीपी पाठक ने कहा कि सरकार बिजली कंपनियों के निजीकरण के पूर्व कार्यरत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन और पेंशनर्स की पेंशन की गारंटी ले साथ ही यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों के लिए निर्धारित सेवा शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं होगा वे यथावत रहेगी। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों को नियमित किया जायेगा। सभी आऊट सोर्स कर्मचारियों को सेवा से पृथक नहीं किया जाएगा।

इस अवसर संजय सिंह जी ने कहा कि श्रमिकों, कामगारों और विशेषकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की बेहतरी, सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए श्रम संगठनों को और अधिक सुदृढ़ एवं सक्रियता के साथ काम करना होगा। क्योंकि नयी श्रम संहिता लागू होने से श्रमिकों, कामगारों और विशेषकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, ठेका श्रमिकों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। राष्ट्रीय महासचिव डॉ संजय सिंह ने कहा कि आज श्रम संगठनों को अपने- अपने क्षेत्र में और अधिक सक्रिय ,सजग, सक्षमता के साथ अपनी मांगों को अच्छे ढंग से प्रबंधन के समक्ष रखना चाहिएं।

डॉ संजय सिंह जी ने बताया कि श्रमिकों के हित व सुरक्षा के लिए नये श्रम संहिता का देश भर में इंटक संयुक्त मोर्चा के साथ मिलकर पुरजोर,प्रभावी ढंग से विरोध कर रहा है।एन के यादव ने मध्यप्रदेश में होने वाली नयी भर्ती में सभी संविदा कर्मियों का संविलयन करने और आउट सोर्स कार्मिकों को 50 प्रतिशत का भर्ती में आरक्षण देकर नियमित करने की अपील की। उमाशंकर मेहता ने फेडरेशन के इतिहास और सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के हित में लगातार कराएं गये निर्णयों और वर्तमान में किए जा रहे कार्यों की जानकारी रखी। उक्त जानकारी फेडरेशन के प्रदेश प्रवक्ता मदन वर्मा ने दी।

हापुड़ नगर पुलिस का जुआ-सट्टा गिरोह पर शिकंजा, चार आरोपी गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं जुआरी/सट्टेबाजों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मोदीनगर रोड स्थित शमशान घाट वाले रास्ते के पास जुआ/सट्टा खेलते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 4,290 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं। मामले में थाना हापुड़ नगर पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में रिंकू कुमार पुत्र महिपाल सिंह निवासी आदर्श नगर कॉलोनी, आकाश पुत्र सुभाष चंद निवासी आदर्श नगर कॉलोनी, रोहित पुत्र हरवीर सिंह निवासी आदर्श नगर कॉलोनी तथा विकास कुमार उर्फ पिंटू पुत्र सूरज सिंह निवासी हरद्वारी नगर शामिल हैं। सभी आरोपी थाना हापुड़ नगर क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जनपद में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गढ़मुक्तेश्वर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने गन्ना भुगतान, आवारा पशुओं, बिजली विभाग की कार्यप्रणाली, अवैध खनन, नलकूपों से मोटर चोरी, खाद की किल्लत और गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की।किसान नेताओं ने कहा कि गन्ना मिलों द्वारा किसानों का बकाया भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगी। ज्ञापन में गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में नालों की सफाई कराने की मांग भी उठाई गई। किसानों का कहना है कि कुछ लोगों द्वारा नालों को मिट्टी से भर दिया गया है, जिससे बरसात के समय फसलों को नुकसान और बाढ़ जैसी स्थिति बनने का खतरा है।इसके अलावा आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान, बिजली विभाग द्वारा किसानों के उत्पीड़न, जर्जर बिजली लाइनों और गलत बिलिंग की समस्याएं भी प्रमुखता से उठाई गईं।

किसानों ने जंगल की बिजली सुबह 4 बजे से रात 2 बजे तक चालू रखने की मांग की। ज्ञापन में क्षेत्र में लगातार हो रही मोटर चोरी, गंगा किनारे अवैध खनन, सड़कों पर ओवरलोडिंग, अवैध वसूली और तहसीलों में भ्रष्टाचार के मामलों पर भी नाराजगी जताई गई। किसानों ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे पर कई स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और सड़क निर्माण कार्य अधूरे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। किसान यूनियन ने डीएपी और यूरिया खाद की कमी, बैंकों द्वारा किसानों से अधिक ब्याज वसूली तथा गंगा एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित जमीनों के उचित मुआवजे की भी मांग उठाई। किसानों ने प्रशासन से सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है।

पढ़ाई से प्रतियोगिता तक' राज्य स्तरीय एक दिवसीय शिक्षक सम्मान एवं शैक्षिक संगोष्ठी,हापुड़ की तीन शिक्षिका सम्मानित

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की वाराणसी में मिशन शिक्षण संवाद के तत्वावधान में 'पढ़ाई से प्रतियोगिता तक' राज्य स्तरीय एक दिवसीय शिक्षक सम्मान एवं शैक्षिक संगोष्ठी में हापुड़ की तीन शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी में शिक्षा की गुणवत्ता, निपुण भारत मिशन तथा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूनम मौर्य ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के वास्तविक निमार्ता होते हैं। एक शिक्षक की मेहनत, धैर्य और विश्वास ही बच्चों को सफल बनाता है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि,आप भावी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, इसलिए समाज में आपका स्थान सबसे ऊंचा है।कार्यक्रम में जनपद हापुड़ से प्राथमिक विद्यालय नंगला छज्जू, धौलाना की पारुल प्रियम, प्राथमिक विद्यालय पिलखुआ की शिक्षामित्र शहाना शैफी व उच्च प्राथमिक विद्यालय घुंघराला की पूजा चतुर्वेदी को प्रमाण पत्र व मेमोंटो देकर सम्मानित किया गया।शिक्षका पारुल प्रियम ने बताया कि पढ़ाई से प्रतियोगिता तक टीम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क शैक्षिक सामग्री व ऑनलाइन क्लास प्रदान कर रही है। जिससे हजारों बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

घर में घुसकर महिला से मारपीट,रिश्वत न देने पर पुलिस ने नहीं दर्ज की रिपोर्टः पीड़ित ने रढ से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत के थाना पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम बिलेरी से एक सनसनीखेज और खाकी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ पुरानी रंजिश के चलते एक महिला के घर में घुसकर दबंगों ने लाठी-डंडों व लात-घूंसों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे महिला का सिर फट गया।

आरोप है कि गंभीर हालत में जब पीड़ित महिला पुलिस चौकी और थाने पहुँची, तो पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर रिश्वत की मांग की और आनाकानी करते हुए उसे भगा दिया।

थक-हारकर पीड़िता ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।थाना पूरनपुर के ग्राम बिलेरी की निवासी रोशनी पत्नी बिट्टू ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 18 मई 2026 को गाँव के ही दबंग विजय पाल पुत्र प्यारे लाल,राजेश्वरी पत्नी विजयपाल, फलूग चरन, विशाल पुत्र विजय पाल और ग्राम भगवन्तापुर के रहने वाले लक्ष्मी कान्त ने पुरानी रंजिश के चलते उनके घर में धावा बोल दिया। आरोप है कि इन लोगों ने घर में घुसकर रोशनी को लात-घूंसों और डंडों से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया।

इसी दौरान लक्ष्मी कान्त ने महिला का गला दबाकर उसके गले से सोने का कवचिया (आभूषण) लूट लिया, जबकि विशाल ने महिला के सिर पर लाठी से जोरदार प्रहार किया। वार इतना घातक था कि रोशनी का सिर फट गया और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। शोर सुनकर जब उसके परिवार वाले बचाने आए, तो आरोपियों ने उन्हें भी पीटा।

ग्रामीणों को इकट्ठा होते देख आरोपी भविष्य में मौका मिलने पर 'जान से मारने की धमकी' देते हुए फरार हो गए।पीड़िता रोशनी का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद वह शिकायत लेकर हरीपुर पुलिस चौकी पहुँची।

वहाँ तैनात दीवान ने रिपोर्ट दर्ज करने के बदले 5,000 की रिश्वत मांग ली। जब गरीब रोशनी ने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो दीवान ने उसे चौकी से भगा दिया।इसके बाद पीड़िता पूरनपुर थाने पहुँची, जहाँ दरोगा ने संवेदनहीनता की हदें पार करते हुए ताना मारा– 'सिर में अपने आप लाठी मार लेते हो और थाने चले आते हो' और उसे भगा दिया। हालांकि, उसी शाम जब रोशनी दोबारा थाने पहुँची, तो थानाध्यक्ष के आदेश पर उसका मेडिकल कराया गया, जिसमें उसके सिर पर 6 टांके आए हैं।

पीड़िता का कहना है कि सिर पर 6 टांके आने और मेडिकल रिपोर्ट होने के बावजूद पुलिस ने अब तक आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की है।

रोशनी ने आरोप लगाया कि हमलावर पक्ष बेहद दबंग और राजनीतिक रसूख वाला है, जिसके दबाव में स्थानीय पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। वर्तमान में पीड़िता और उसके परिवार को जान-माल का गंभीर खतरा बना हुआ है।

पीड़िता रोशनी ने बुधवार को एसपी कार्यालय पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई है। उसने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले का संज्ञान लेते हुए दोषी दबंगों के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज की जाए, कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए जाएं और रिश्वत मांगने व अभद्रता करने वाले पुलिसकर्मियों पर भी एक्शन लिया जाए।

बिना अनुमति चल रहे मदरसे पर केस दर्ज, 30 से 40 बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। पीलीभीत जिले की पूरनपुर तहसील के ग्राम सिमरिया ता. महाराजपुर में अवैध मदरसा संचालन के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि 'खातून बेगम एजूकेशनल ट्रस्ट' के नाम से बिना अनुमति और पंजीकरण के मदरसा चलाया जा रहा था। शिकायत के आधार पर प्रशासन ने जांच की। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि मदरसा उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त नहीं है और न ही उसका अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में पंजीकरण है। पूरनपुर पुलिस ने हाफिज मो. तसलीम खाँ के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मदरसे के दस्तावेजों की पड़ताल

की जा रही है। बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य को लेकर भी प्रशासन विचार कर रहा है। उत्तर प्रदेश में मदरसा चलाने के लिए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। बिना मान्यता मदरसा चलाना गैर कानूनी है।2023-24 में प्रदेश सरकार ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे भी कराया था। फिलहाल पुलिस जांच जारी है।

समस्या का समाधान न होने पर भकियू (भानु) का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने क्षेत्र की जनसमस्याओं का समाधान न होने पर नाराजगी जताते हुए पूरनपुर तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों और समस्याओं का पूरी तरह समाधान नहीं हो जाता, तब तक यह धरना लगातार जारी रहेगा। यूनियन के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले दिनों भारतीय किसान यूनियन (भानु) की ओर से उपजिलाधिकारी (एसडीएम) पूरनपुर को जनहित से जुड़ी एक महत्वपूर्ण समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा गया था। उस समय संबंधित अधिकारी ने मामले के निस्तारण के लिए पांच दिनों का समय मांगा था।

लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई या कदम नहीं उठाया गया। प्रशासन के इसी ढुलमुल रवैये और वादाखिलाफी से आक्रोशित होकर संगठन ने तहसील परिसर में ही मोर्चा खोल दिया है। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा और सर्वेश शुक्ला कर रहे हैं। इस दौरान तहसील प्रकोष्ठ अध्यक्ष पूरनपुर राखी, मंडल उपाध्यक्ष अमानुल्लाह, लुकमान, कुलदीप, नरेन्द्र कुमार, सोमवती, रामा देवी, खुशहाली देवी और नत्थी देवी सहित भारी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। फिलहाल, तहसील परिसर में किसानों का धरना लगातार जारी है।

भारतीय किसान यूनियन सरकार ने जनपद पीलीभीत में लिए बड़े फैसले

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत पूरनपुर भारतीय किसान यूनियन सरकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कश्यप ने संगठन को मजबूत कर धरातल पर सक्रिय रूप से खड़ा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

इसी क्रम में जनपद पीलीभीत की तहसील पूरनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत धनेगा निवासी तेजतर्रार युवा नेता तौफीक खान को भारतीय किसान यूनियन सरकार का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। संगठन ने उम्मीद जताई है कि जिला अध्यक्ष तौफीक खान किसानों, मजदूरों और गरीब वर्ग की आवाज को मजबूती के साथ उठाने का कार्य

करेंगे। साथ ही शासन-प्रशासन तक किसानों की समस्याओं को पहुंचाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करने का काम भी मजबूती से किया जाएगा। तौफीक खान ने कहा कि किसानों और मजदूरों के हक के लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा। यदि किसी किसान या मजदूर के साथ अन्याय या दबाव बनाने की कोशिश की गई तो भारतीय किसान यूनियन सरकार उसका पुरजोर विरोध करेगी।

बिजली विभाग के कथित घोटाले को लेकर भाकियू टिकैत की बड़ी पंचायत की चेतावनी

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के एनसीआर अध्यक्ष एकलव्य सिंह सहारा के आवास पर किसानों की एक महत्वपूर्ण पंचायत आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के कई गांवों के प्रधान एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। पंचायत की अध्यक्षता बाबा कमल सिंह ने की, जबकि संचालन संदीप चौधरी उर्फ जेके ने किया।पंचायत में किसानों ने संगठन के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए एकलव्य सिंह सहारा को भरोसा दिलाया कि विद्युत विभाग द्वारा किए गए कथित घोटाले को लेकर जल्द ही

एक बड़ी पंचायत आयोजित की जाएगी। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो प्रशासनिक अधिकारियों का घेराव करते हुए एक महीने तक लंबा किसान आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों का कहना था कि पिछले कई वर्षों से लंबित पड़े विद्युत विभाग के कथित घोटाले पर अब अधिकारियों को जवाब देना होगा। पंचायत में नीरज अग्रवाल ने कहा कि यदि घोटाला विद्युत विभाग द्वारा किया गया है तो विभाग किसानों को एफिडेविट एवं संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए।वरिष्ठ पदाधिकारी ममता शर्मा ने कहा कि किसानों के इस संघर्ष में महिला विंग भी पूरी मजबूती के साथ अपनी भागीदारी निभाएगी।

जन्मदिन पार्टी से लौट रहे युवक पर हिस्ट्रीशीटर का जानलेवा हमला, दो तोले की सोने की चेन लूटी

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे एक युवक पर दबंगों द्वारा जानलेवा हमला करने और लूटपाट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना पूरनपुर क्षेत्र के आसाम चौराहे की है, जहां शराब के नशे में धुत आरोपियों ने न केवल युवक के साथ मारपीट की, बल्कि उसकी सोने की चैन भी लूट ली।रास्ते में रोककर किया था हमला सुधीर कॉलोनी की रहने वाली आशा लता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सोमवार की रात उनका बेटा आर्यन चौहान अपने एक दोस्त के जन्मदिन समारोह से वापस घर लौट रहा था। आसाम चौराहे के पास कुछ सामान खरीदने के लिए वह रुका, तभी पिपरिया निवासी अंश सिंह अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंच गया। आरोपियों ने बिना किसी कारण के आर्यन पर अभद्र टिप्पणियां शुरू कर दीं।मारपीट, तोड़फोड़ और लूटपाट जब पीड़ित ने वहां से हटने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उसकी मोटरसाइकिल को जमीन पर गिराकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने आर्यन के साथ जमकर मारपीट की। बीच-बचाव करने आए स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद आरोपी नहीं माने। दबंगों ने पीड़ित के गले से करीब दो तोले की सोने की चेन तोड़ ली और बाइक में आग लगाने की भी कोशिश की।क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है मुख्य आरोपी पीड़ित की मां के अनुसार, मुख्य आरोपी अंश सिंह क्षेत्र का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है, जो अक्सर शराब के नशे में लोगों को प्रताड़ित करता है। घटना के बाद आरोपी ने फोन पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़ित परिवार के मुखिया पिछले डेढ़ साल से गंभीर रूप से बीमार हैं, जिसके कारण पूरा परिवार इस घटना के बाद से गहरे खौफ में है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और मामले की जांच शुरू कर दी है।

समस्या का समाधान न होने पर भकियू (भानु) का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने क्षेत्र की जनसमस्याओं का समाधान न होने पर नाराजगी जताते हुए पूरनपुर तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों और समस्याओं का पूरी तरह समाधान नहीं हो जाता, तब तक यह धरना लगातार जारी रहेगा। यूनियन के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले दिनों भारतीय किसान यूनियन (भानु) की ओर से उपजिलाधिकारी (एसडीएम) पूरनपुर को जनहित से जुड़ी एक महत्वपूर्ण समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा गया था। उस समय संबंधित अधिकारी ने मामले के निस्तारण के लिए पांच दिनों का समय मांगा था।

लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई या कदम नहीं उठाया गया। प्रशासन के इसी ढुलमुल रवैये और वादाखिलाफी से आक्रोशित होकर संगठन ने तहसील परिसर में ही मोर्चा खोल दिया है।

धरना प्रदर्शन का नेतृत्व मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा और सर्वेश शुक्ला कर रहे हैं।

वात्सल्य के वार्षिकोत्सव में साहित्य, संस्कृति और संस्कारों का भव्य संगम

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। राजधानी की प्रतिष्ठित सामाजिक एवं साहित्यिक संस्था वात्सल्य का वार्षिकोत्सव समारोह संस्था प्रमुख डॉ. कविता यश मल्होत्रा के कुशल मार्गदर्शन में मुक्तधारा ऑडिटोरियम में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। साहित्य, संस्कृति, सामाजिक चेतना और भारतीय संस्कारों से ओतप्रोत यह आयोजन उपस्थित जनसमूह के लिए प्रेरणादायक बन गया। सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार डॉ. हरीश नवल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर वाजपेयी मुख्य अतिथि तथा सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में हिंदुस्तानी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुधाकर पाठक, हिंदी अकादमी के पूर्व उप सचिव ऋषि कुमार शर्मा, अंतरराष्ट्रीय लेखक-पत्रकार एवं विचारक डॉ. शंभू पंवार, लेखक कुमार सुबोध तथा टू मीडिया के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति शामिल रहे। समारोह में संस्था प्रमुख डॉ. कविता मल्होत्रा एवं यश मल्होत्रा ने अतिथियों को शॉल, स्मृति चिन्ह भेंट 'वात्सल्य गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अर्चना त्यागी ने किया। इस अवसर पर वात्सल्य संस्था के बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव तथा मानवीय मूल्यों पर आधारित प्रेरणादायक नाट्य प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक संवेदनाओं को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से मंचित कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। प्रणव, ध्रुव, खुशबू और चेतन सहित युवा कलाकारों की प्रस्तुति को खूब सराहना मिली।

समारोह का मुख्य आकर्षण डॉ. कविता मल्होत्रा की दो पुस्तकों 'भारत भाग्य विधाता' एवं 'संस्कारों की उड़ान' का लोकार्पण रहा। इस भावुक क्षण में उनके पिता बी.एस. मक्कड़ अस्वस्थ होने के बावजूद व्हीलचेयर पर समारोह में पहुंचे और पुत्री को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गोपालदास 'नीरज' एवं डॉ. हरिओम पंवार की रचनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर सभागार को भावनाओं से सराबोर कर दिया।

डॉ.कविता मल्होत्रा को किया सम्मानित

कार्यक्रम में वात्सल्य प्रमुख डॉ कविता मल्होत्रा को गीतांजलि काव्य प्रसार मंच की संरक्षक डॉ. सविता चड्ढा, सलाहकार डॉ. शंभू पंवार तथा अध्यक्ष डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा ने अंगवस्त्र, ट्रॉफी भेंट कर नीरांजली साहित्य सम्मान से सम्मानित किया। वहीं वात्सल्य परिवार की ओर से कुसुम लता सिंह, डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा, डॉ. अंजू क्वात्रा, देवेंद्र प्रकाश शर्मा, प्रकाशक अशोक गुप्ता, मीनाक्षी भसीन, कविता विकास, कविता सिंह प्रभा, डॉ. संजय जैन, उर्वी ऊदल, भूपेंद्र कौर, विनोद पाराशर,बबली सिन्हा, पूजा श्रीवास्तव, वीणा अग्रवाल, शकुन मित्तल, सैयद अख्तर अली नकवी, उमंग शरीन सहित दिल्ली-एनसीआर से आए 40 से अधिक साहित्यकारों एवं साहित्य प्रेमियों को 'साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।समारोह ने साहित्य,संस्कृति, संस्कार और सामाजिक चेतना के समन्वय का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उपस्थित जनसमूह के मन पर गहरी छाप छोड़ी।

श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट आज विधु-विधान से खुले

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। पंच केदारों में द्वितीय केदार के रूप में विख्यात भगवान श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट आज श्रद्धा, आस्था एवं सनातन परंपराओं के मध्य विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। कपाटोद्घाटन के पावन अवसर पर पूरा धाम 'हर-हर महादेव' और भगवान मद्महेश्वर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

भगवान मद्महेश्वर की उत्सव डोली आज प्रातः गौण्डार गाँव से पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों एवं भक्तिमय वातावरण के बीच धाम के लिए रवाना हुई। प्रातः लगभग 10:45 बजे उत्सव डोली मद्महेश्वर धाम पहुंची। जहां मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण, विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कपाट खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

मुख्य पुजारी श्री शिव शंकर लिंग सहित वेदपाठियों द्वारा पूजा संपन्न कराने के साथ ही लगभग 11 बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। इस दौरान उपस्थित लगभग 1,135 श्रद्धालुओं ने भगवान मद्महेश्वर के प्रथम दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया तथा देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की।

कपाटोद्घाटन अवसर पर मंदिर समिति एवं प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पुख्ता किया गया था। यात्रा मार्ग पर भी श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु व्यापक प्रबंध किए गए हैं। हिमालय की गोद में स्थित श्री मद्महेश्वर धाम अपनी दिव्यता, आध्यात्मिक आभा एवं प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विशेष पहचान रखता है। कपाट खुलने के साथ ही अब यहां देश-विदेश से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है।

हापुड़ कोतवाली में शांति समिति की बैठक, ईद पर सौहार्द बनाए रखने की अपील

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के कोतवाली परिसर में आगामी ईद पर्व को लेकर एक महत्वपूर्ण शांति समिति बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसडीएम इला प्रकाश एवं थाना प्रभारी मनीष चौहान ने मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों के साथ संवाद कर त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।बैठक के दौरान अधिकारियों ने लोगों से विशेष आग्रह किया कि ईद के अवसर पर किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी या लापरवाही न करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। साथ ही युवाओं और बच्चों को वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।अधिकारियों ने कुबार्नी के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। कहा गया कि कुबार्नी के बाद बचे अवशेषों को खुले में न फेंका जाए, बल्कि उन्हें जमीन में दबाया जाए, जिससे गंदगी फैलने और किसी प्रकार के विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।बैठक में सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भड़काऊ वीडियो को लेकर भी चिंता जताई गई। अधिकारियों ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं, इसलिए लोग किसी भी भ्रामक जानकारी को बिना सत्यापन के आगे साझा न करें।

अपने प्रिय भक्तों का जीवन कृतार्थ करने के लिए पृथ्वी पर अवतरित होते भगवान : भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। छटीकरा रोड़ स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम में इन दिनों पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर चल रहे अष्टदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव के अंतर्गत व्यासपीठ से प्रख्यात भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को वामन अवतार, बलि प्रसंग, गंगा अवतरण, श्रीराम जन्म एवं श्रीकृष्ण जन्म की कथा श्रवण कराई।

व्यास पीठाधीन भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी ने कहा कि अखिल कोटि ब्रह्मांड नायक भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर जन्म लेकर न केवल पापियों, अत्याचारियों व दैत्यों का संघार किया बल्कि उन तमाम भक्तों, ऋषियों-मुनियों एवं साधु-संतों की वाणियों को साकार किया, जिन्होंने पूर्व जन्मों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में संलग्न होने का वरदान प्राप्त किया था। उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर पापियों के द्वारा पाप-अनाचार बढ़ने लगता है और धर्म की हानि होने लगती है।

तब-तब दुष्टों का विनाश और धर्म की पुनर्स्थापना करने के हेतु पृथ्वी पर भगवान नारायण का प्रादुर्भाव होता है।साथ ही भगवान नारायण अपने प्रिय भक्तों का जीवन कृतार्थ करने के लिए भी पृथ्वी पर अवतरित होते हैं।

महोत्सव में पधारे वानप्रस्थ धाम के संस्थापक व विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता आचार्य डॉ. चतुर नारायण पाराशर ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत महापुराण का पूजन किया।साथ ही उनकी आरती की। इस अवसर पर भव्य नंदोत्सव आयोजित किया गया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की दिव्य झांकी सजाई गई।

इसके अलावा जन्म से संबंधित बधाईयों व भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया। जिसके अंतर्गत रुपए-पैसे, खेल-खिलौने, वस्त्र-आभूषण आदि लुटाए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीकृष्ण कीर्ति पत्रिका के प्रधान संपादक, वरिष्ठ साहित्यकार एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. सतेन्द्र कुमार जोशी, महोत्सव के मुख्य आयोजक दीपक लोहिया, श्रीमती नूपुर लोहिया, हरि नारायण अग्रवाल ,अशोक अग्रवाल, प्रहलाद गुप्ता, उमेश बंसल, नीरज मित्तल, शशिकांत दुबे, आर. के. श्रोत्रिय, गणेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, राधारानी अग्रवाल, उर्मिल बंसल, ममता सैनी, गोपिका शर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, नीरज मित्तल एवं आचार्य बृजेन्द्र तिवारी आदि की उपस्थिति विशेष रही।

संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत,कमरे मे मिला शव,जांच मे जुटी पुलिस

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के खुनुवां चौकी अन्तर्गत ग्राम पंचायत करहिया के टोला गुजरौलिया में बुधवार रात एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

घटना की सूचना मिलते ही शोहरतगढ़ थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान उर्मिला (21 वर्ष) पत्नी उदयनारायण निवासी गुजरौलिया के रूप में हुई है। बताया जाता है कि घटना बुधवार रात करीब 07 बजे की है। परिजनों द्वारा सूचना दिये जाने पर शोहरतगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। वहीं पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

हापुड़ के बाबूगढ़ थाने में शांति की अपील ईद पर सुरक्षा और सौहार्द को लेकर पुलिस की अहम बैठक

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के बाबूगढ़ थाना परिसर में आज एक महत्वपूर्ण शांति बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में सीओ वरुण मिश्रा ने मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों के साथ संवाद किया और आगामी ईद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की।बैठक के दौरान सीओ वरुण मिश्रा ने लोगों से विशेष आग्रह किया कि ईद के दिन किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी या लापरवाही से बचें, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना न हो।उन्होंने यह भी कहा कि सभी लोग अपने बच्चों को वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग जरूर कराएं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।इसके साथ ही कुबार्नी के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि कुबार्नी के बाद बचे अवशेषों को खुले में न फेंका जाए, बल्कि उन्हें जमीन में दफन किया जाए, ताकि जंगली जानवर उन्हें न खींचें और किसी तरह का विवाद या माहौल खराब न हो।सीओ वरुण मिश्रा ने सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भड़काऊ वीडियो पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर माहौल बिगाड़ने का काम करते हैं, ऐसे में सभी को सतर्क रहने और किसी भी भ्रामक जानकारी को आगे न फैलाने की सलाह दी गई।बैठक का उद्देश्य यही रहा कि ईद का त्योहार आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाया जाए और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे।पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खुनुवा बॉर्डर बाजार में भीषण जाम,परेशानियों का करना पड़ सामना

असदुल्लाह सिद्दीकी

खुनुवां/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। भारत-नेपाल सीमा से सटे खुनुवा बाजार में इन दिनों जाम की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। सुबह से लेकर देर शाम तक बाजार क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिससे आम लोगों के साथ-साथ व्यापारियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि सुबह होते ही बड़ी संख्या में मालवाहक और अन्य वाहन बाजार में आकर खड़े हो जाते हैं। सड़क पर वाहनों के कब्जे के कारण ग्राहकों और राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है। बाजार की मुख्य सड़क पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहने से दुकानदारों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों के अनुसार नेपाल से आने-जाने वाली मालवाहक गाड़ियों का समय से पास न होना भी जाम की बड़ी वजह बन गया है। कई-कई घंटे तक वाहन खड़े रहने से बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बना रहता है। लोगों को पैदल चलने तक में दिक्कत हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मालवाहक वाहनों की आवाजाही के लिए निश्चित समय तय किया जाए और बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था को सख्ती से लागू कराया जाए, ताकि जाम की समस्या से राहत मिल सके। व्यापारियों में लगातार बढ़ते जाम को लेकर रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो स्थिति और गम्भीर हो सकती है।

भीषड़ गर्मी के चलते तरबूज खरबूजा विभिन्न प्रकार के ठंडे पेय पदार्थ जूसों की दूकानों पर खरीदारी बढ़ी

फतेह खान

शुजागंज अयोध्या(वेलकम इंडिया)। भीषड़ गर्मी लूं के थपेड़े के बीच लोग ठंडे फलों और पेय पदार्थों की खरीदारी के लिए तरबूज खरबूजा और विभिन्न जूस की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि बिक्री में काफी इजाफा हुआ है। ठंडक पहुंचाने के लिए बेल का शरबत और आम का पना भी पसंद किया जा रहा है।

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच लोगों ने राहत पाने के लिए ठंडे फल और पेय पदार्थों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। तरबूज, खरबूजा, श्रीफल, गन्ना जूस सहित विभिन्न प्रकार के जूस की दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिल रही है। सुबह से देर शाम तक लोग गर्मी से राहत पाने के लिए तबूज खरबूजा बिक्री तेजी से चल रही है। भेलसर शुजागंज बाजार सहित चौराहों के आसपास लगे फलों के ठेलों और गन्ना के जूस की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जुट रही है। हलीमनगर चौराहा पर लगी

तरबूज और खरबूजा के विक्रेता मोहम्मद रईस ने बताया कि इस बार रोज 12 क्विंटल तरबूज, नौ क्विंटल खरबूजा की बिक्री किया जा रहा है। वहीं गन्ना जूस विक्रेता अमरेश कुमार साहू मुस्काबाद ने बताया कि दु पिछले कुछ दिनों से तापमान बढ़ने के कारण बिक्री में काफी इजाफा हुआ है। गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। राहगीर, मजदूर, रिक्शा चालक और यात्री सड़क किनारे रुककर जूस और ठंडे पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। खासकर दोपहर के समय दुकानों पर अधिक भीड़ दिखाई दे रही है। फल जूस विक्रेता कल्लू दलसराय का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही संतरा, अनार, मौसमी जूस की मांग भी तेजी से बढ़ी है। लोग स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ठंडे पेय पदार्थों की अपेक्षा प्राकृतिक फलों और जूस को अधिक महत्व दे रहे हैं।

बिना लाइसेंस के चल रहे मेडिकल स्टोर को लेकर-डीआई की छापेमारी

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आम जन के स्वास्थ्य के प्रति चिंता जताते हुए बुधवार की शाम बिना लाइसेंस के चल रहे मेडिकल स्टोरो पर ओषधि निरीक्षक कपिल शर्मा द्वारा नानौता में कई मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की।

जिसमें कई मेडिकल स्टोर स्वामी को मेडिकल स्टोर सम्बंधित सभी दस्तावेज के साथ कार्यालय में उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। इस सम्बंध में ड्रग इंस्पेक्टर कपिल शर्मा का कहना है कि क्षेत्र में यदि कोई भी मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस कबचल रहा है तो वह स्वयं मेडिकल स्टोर लाइसेंस बनवाने का काम तत्काल करें। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा यदि कोई भी मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के संचालित पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

जनगणना किट न लेने वाले प्रगणकों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नगर निगम ने सौ प्रगणकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विभागों को लिखा पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। जनगणना-2027 के लिए नियुक्त किए गए जिन प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों ने जनगणना के लिए अपनी किट व नियुक्ति पत्र नहीं लिए हैं उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए उनके विभागों को पत्र भेजे गए हैं। लगभग एक सौ प्रगणकों द्वारा किट प्राप्त नहीं की गयी है। उल्लेखनीय है कि जनगणना -2027 के प्रथम चरण में 22 मई से 20 जून तक भवनों का सूचीकरण किया जायेगा। इसके लिए नगर निगम में गत 19 मई से जनगणना के लिए नियुक्त प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को किट वितरित की जा रही थी। जोन दो की चार्ज अधिकारी/निगम की कर निर्धारण अधिकारी श्रुति माहेश्वरी ने बताया कि जनगणना के लिए 223 पर्यवेक्षक व 1383 प्रगणक नियुक्त किये गए है। उन्होंने बताया कि एक-आध को छोड़कर लगभग सभी पर्यवेक्षकों द्वारा अपनी किट व नियुक्ति पत्र प्राप्त कर लिए गए हैं लेकिन करीब एक सौ प्रगणकों द्वारा अभी तक किट प्राप्त नहीं की गयी है। उन्होंने बताया कि जिन प्रगणकों ने अपनी किट व नियुक्ति पत्र नहीं लिए हैं उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए सम्बंधित विभागों को पत्र भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रगणकों में अधिकांशतः पंचायत सहायक, आंगनवाड़ी व बेसिक शिक्षा विभाग से सम्बंधित प्रगणक शामिल है। चार्ज अधिकारी ने बताया कि कल 22 मई से प्रगणक घर-घर जाकर भवनों का सूचीकरण करेंगे। उन्होंने लोगों से प्रगणकों को सहयोग देने की अपील की, साथ ही कहा कि किसी को भी अपना कोई भी गोपनीय दस्तावेज, आधार कार्ड व पैन कार्ड दिखाने या देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने स्व-गणना की है वह प्रगणकों के घर पहुंचने पर स्वगणना के दौरान मिली आई डी भी प्रगणकों को उपलब्ध कराएं।

न्यूनतम वेतन न देने पर होगी कार्रवाई: एएलसी

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में कार्यरत इकाइयों के लिए विभिन्न न्यूनतम वेतन मान निर्धारण किया गया है। जिसके क्रम में सिद्धार्थनगर मे अकुशल श्रमिकों के लिए 12,356 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों के लिए 13,590 रुपये तथा कुशल श्रमिकों के लिए 15,224 रुपये प्रतिमाह न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है। जिले में संचलित कम्पनियां, राइस मिल, ईंट भट्ठों, ट्रांसपोर्टर, गैस एजेंसियां, पेट्रोल पम्प, स्कूल, कालेज, हॉस्पिटल, होटल, स्वयं सेवी संस्थाएं आदि को इसका अनुपालन करना अनिवार्य है। प्रत्येक श्रमिक को, चाहे वह सेवायोजक के मस्टर रोल पर हो, संविदाकार के अधीन हो, दैनिक वेतन पर हो अथवा अन्य किसी व्यवस्था में कार्यरत हो, को निर्धारित न्यूनतम वेतन दिया जाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त सप्ताह में 48 घंटे तक कार्य लेने का ही प्रावधान है उससे अधिक कार्य लेने पर हर घंटे के लिए निर्धारित दर से दोगुना ओवरटाइम भुगतान करना होगा व पे स्लिप उपलब्ध करानी होगी।

अब महिला प्रताड़ना एवं पोक्सो के झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों की खैर नहीं

मामला झूठा पाया गया तो पुलिस फरियादियों के खिलाफ करेगी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। जिले भर में 01 जनवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक जिले में महिला अत्याचार के दर्ज हुए कुल 249 प्रकरणों में से 86 प्रकरण अनुसंधान में पाये गये है झूठे। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में जिले में झूठे मुकदमे दर्ज करवाने वालों के खिलाफ धौलपुर पुलिस द्वारा अब सख्त कानूनी कार्रवाई (जीरो टॉलरेंस नीति) अपनाई जा रही है। जिले में अब महिला अत्याचार व पोक्सो के प्रकरण केवल एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगाकर फाइल बंद नहीं होगी, बल्कि झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वालों को कोर्ट से सजा दिलाने तक पुलिस पीछा करेगी।

पुलिस अधीक्षक श्री विकास सांगवान ने बताया है कि झूठे मुकदमे दर्ज कराकर पुलिस संसाधनों की बबार्दी किया गया है कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मुकदमों में फंसाकर परेशान करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पिछले दिनों पुलिस महानिदेशक राजस्थान द्वारा भी सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि द्वेषवश, दबाव बनाने या प्रताड़ित करने की नीयत से झूठी रिपोर्ट देने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ऐसे मामलों में अब केवल एफआर लगाने तक सीमित न रहकर संबंधित फरियादी के विरुद्ध भी न्यायालय में परिवाद पेश किया जाएगा। झूठी एफआईआर या फर्जी आरोप लगाने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। झूठे मामलों के कारण निर्दोष व्यक्तियों की सामाजिक प्रतिष्ठा, समय एवं मानसिक स्थिति प्रभावित होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जांच में मामला झूठा पाए जाने पर न्यायालय में एफआर पेश करने के साथ-साथ शिकायतकर्ता के खिलाफ भी इस्तगासा पेश किया जाएगा। पुलिस विभाग द्वारा निष्पक्ष अनुसंधान एवं आधुनिक तकनीक के माध्यम से वास्तविक पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

जिले भर में 01 जनवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक जिले में महिला अत्याचार के दर्ज हुए कुल 249 प्रकरणों में से 86 प्रकरण अनुसंधान में झूठे पाये गये। है। उदाहरण के तौर पर पुलिस थाना महिला धौलपुर में दर्ज प्रकरण संख्या 03/2025 में परिवादिया द्वारा लगाए गए आरोपों की पुलिस द्वारा गंभीरता से जांच की गई। अनुसंधान के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपित पक्ष के व्यक्तियों द्वारा मारपीट, गाली-गलौज अथवा दुष्कर्म जैसी कोई घटना कारित किया जाना प्रमाणित नहीं हुआ। जांच में परिवादिया द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों से मेल नहीं खाने तथा मामला असत्य एवं झूठा पाया गया।

प्रकरण में पुलिस द्वारा एफआर न्यायालय में पेश की गई, जिसे न्यायालय द्वारा स्वीकार भी कर लिया गया। साथ ही झूठा मामला दर्ज करवाकर पुलिस एवं न्यायालय का समय बर्बाद करने पर संबंधित फरियादी के खिलाफ भी विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई हेतु इस्तगासा न्यायालय में पेश किया गया है। धौलपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की झूठी, भ्रामक अथवा द्वेषपूर्ण शिकायत दर्ज न करवाएं। पुलिस हर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन झूठे मुकदमे दर्ज कर निर्दोष लोगों को परेशान करने वालों के खिलाफ भी अब सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि इसका मुख्य उद्देपुलिस संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करना है। झूठी शिकायतों की जांच में पुलिस का कीमती समय और ऊर्जा बर्बाद होती है, जिससे वास्तविक पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी होती है। अब सख्ती होने से न केवल निर्दोष लोग प्रताड़ना से बचेंगे, बल्कि पुलिस का ध्यान गंभीर अपराधों के नियंत्रण पर केंद्रित हो सकेगा।

दुधारा के करही गांव में खूनी संघर्ष: लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला, एक ही परिवार के 5 लोग गंभीर घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। थाना क्षेत्र के करही गांव में बुधवार की शाम पारिवारिक विवाद को लेकर दबंगों ने एक ही परिवार पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। इस खूनी संघर्ष में बीच-बचाव करने आई महिलाओं और बच्चों समेत कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों और सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने सभी घायलों को आनन-फानन में सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) सेमरियावां पहुंचाया, जहाँ से एक महिला की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

गाली देने से मना करने पर लाठी-डंडों और हथियारों से टूट पड़े हमलावर

दुधारा थानाध्यक्ष को दी गई तहरीर में करही गांव निवासी पीड़ित अब्दुल कलाम पुत्र मोहम्मद कासिम ने बताया कि दिनांक 20 मई 2026 की शाम करीब 6:00 बजे पारिवारिक वाद-विवाद को लेकर गांव के ही कुछ लोग गोलबंद होकर आए और उन्हें मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे। जब पीड़ित ने गाली देने से मना किया, तो आरोपी आगबबूला हो गए और पहले से तैयार लाठी, डंडों व धारदार हथियारों से उन पर जानलेवा हमला बोल दिया।

बीच-बचाव करने आए पत्नी और मासूम बच्चों को भी बेरहमी से पीटा

पीड़ित अब्दुल कलाम को पिटता देख जब उनके परिवार के लोग बीच-बचाव करने दौड़े, तो हमलावरों ने उन पर भी रहम नहीं खाया। आरोपियों ने अब्दुल कलाम की पत्नी खालिदा खातून, बेटे मोहम्मद उजैफा व मोहम्मद हारिस, और बेटी उम्मे असरा को भी बेरहमी से मारपीट कर लहुलूहान कर दिया। घटना के समय मौके पर मौजूद तमाम ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित परिवार की जान बचाई। जाते-जाते हमलावर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे गए।

महिला के सिर में आई गंभीर चोट

इस हिंसक झड़प में अब्दुल कलाम के पूरे परिवार को काफी चोटें आई हैं। घायलों में खालिदा खातून (पत्नी अब्दुल कलाम) के सिर में धारदार हथियार या लाठी से गंभीर चोट लगने के कारण सीएचसी सेमरियावां के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें तुरंत जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों की मानें तो अत्यधिक खून बह जाने के कारण महिला की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

इन लोगों के खिलाफ पुलिस को दी गई तहरीर

पीड़ित अब्दुल कलाम ने न्याय की गुहार लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। घटना में मुख्य रूप से मोहम्मद अदनान पुत्र अब्दुस सलाम, आलिया खातून पत्नी अब्दुस सलाम, अफरा सदफ पुत्री अब्दुस सलाम, आतिफा पुत्री अब्दुस सलाम

कानूनी कार्रवाई का भरोसा:

इस पूरे मामले के संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि घटना से संबंधित तहरीर पुलिस को मिल चुकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी व उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया

थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मुअसं 212 धारा 115(2),352, 351(3) बीएनएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। एएचटी थाना पुलिस ने कस्बे में मिशन शक्ति अभियान चलाकर महिलाओं को सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। साथ ही बाजारों में चेकिंग अभियान चलाकर दुकानदारों को नाबालिग बच्चों से काम न कराने की सख्त चेतावनी दी।अभियान के दौरान एसआई उपेंद्र सिंह, महिला हेड कांस्टेबल डोली और हेड कांस्टेबल तिलक राज ने महिलाओं को सुरक्षा उपायों और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीम ने महिलाओं को साइबर ठगी से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेनदेन से सतर्क रहें। यदि किसी प्रकार की ठगी या संदिग्ध गतिविधि सामने आए तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।इसके बाद पुलिस टीम ने मयूर तिराहा, कैराना मार्ग, दिल्ली बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों समेत अन्य दुकानदारों को नाबालिग बच्चों से काम न कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी व्यक्ति नाबालिगों से काम कराते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संचार क्रांति के जनक के रूप में आज भी याद किये जाते हैं राजीव गाँधी: प्रवीण चन्द्र पाण्डेय

जिला कांग्रेस कार्यालय पर मनाई गई पुण्यतिथि

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बृहस्पतिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडे जी के नेतृत्व में मनाया गया ।स्वर्गीय राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी का संचालन जिला उपाध्यक्ष सुनील पांडे जी ने किया गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय जी ने कहा कि असीमित दूर दृष्टि रखने वाले आधुनिक भारत के निमार्ता स्वर्गीय राजीव गांधी जी को शत-शत नमन करता हूं जिन्होंने संचार क्रांति कंप्यूटर क्रांति पंचायती राज व्यवस्था 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार शिक्षा का अधिकार जैसी तमाम योजनाओं को देकर देश की विकास को गति प्रदान करने का काम किया जिसे देश की जनता आज भी बड़े गर्व से याद करती है ।जिला अध्यक्ष ने कहा कि वही देश की वर्तमान भाजपा सरकार देश में नफरत फैला कर आपसी सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रही है देश में आर्थिक संकट का तूफान आने वाला है सारा त्याग तपस्या प्रधानमंत्री केवल जनता से कराना चाह रहे हैं और अपने लगातार विदेश दौरों पर घूम रहे हैं देश की जनता सत्ता में बैठे लोगों से उम्मीद लगाए बैठी है फिर भी महंगाई की मार लगातार बढ़ती जा रही है और देश के प्रधानमंत्री इसे लगातार अनदेखी कर रहे हैं जिसका परिणाम बहुत ही भयंकर होने वाला है ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, सहारे आलम, जमुना प्रसाद, मो. परवेज अख्तर, मो अकरम नजीर, अरुण पांडेय, प्रेम नाथ मौर्या, ओम प्रकाश यादव, अभिषेक, दीपक सिंह, निलेश, शांति देवी, अजय सिंह, फैजान खान, चंद्रमणि त्रिपाठी, अंबिका पाण्डेय, दयाशंकर चौधरी, रमेश चौधरी, निसार अहमद सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अपनी संतान को संपत्ति नहीं संस्कार दे: आचार्य तेजप्रकाश वशिष्ठ

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। क्षेत्र के सिंघावली गांव में श्रीमद्भागवत कथा भव्य शुभारंभ हुआ। कथा प्रारंभ से पूर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में कन्या और महिलाएं सिर पर रखकर शामिल हुईं।यात्रा में भजन कीर्तन और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।कथा में बीच का पुरा गन्हैदी से पधारे परम पूज्य आचार्य पं लघुकृष्ण महाराज ने भागवत महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने नारद जी के प्रसंग के माध्यम से भक्ति के महत्व और जीवन के कष्टों के समाधान का मार्ग बताया।आचार्य ने आत्मदेव की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि संतान का चरित्र ही परिवार की दिशा तय करता है।उन्होंने समझाया कि कुपुत्र जीवन को नरक बना देता है। झूठ और कपट से प्राप्त धन एवं संतान अंततः दुख का कारण बनती है महाराज ने प्रवचन में कहा कि माता पिता को अपनी संतान को संपत्ति देने से अधिक अच्छे संस्कार देने चाहिए। संस्कार ही वह आधार है जिससे संतान स्वयं अपने कुल का उद्धार कर सकती है। यह भागवत लक्ष्मीचंद पचौरी द्वारा आयोजित की जा रही है जो 21 मई से 28 मई 2026 तक चलेगी।यज्ञ के यज्ञाचार्य आचार्य पं वेदप्रकाश वशिष्ठ व आचार्य पं यशपाल ने पूजन कराकर भागवत जी का शुभारंभ किया। और श्रोताओं ने कथा को भाव विभोर होकर बड़े ही ध्यान से सुना।

आवारा कुत्तों का आतंक: 8 वर्षीय बच्ची समेत दो को काटा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है।गुरूवार को अलग-अलग स्थानों पर आवारा कुत्तों ने आठ वर्षीय मासूम बच्ची समेत दो लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। घटना के बाद क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल है। गांव किंवाना निवासी इरफान की आठ वर्षीय पुत्री सुहाना ईंट भट्टे पर मौजूद थी। इसी दौरान एक आवारा कुत्ते ने अचानक बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया। हमले में बच्ची घायल हो गई। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी अजय अपनी चाट की दुकान पर जा रहे थे। रास्ते में आवारा कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने किसी तरह कुत्ते को भगाकर अजय को बचाया। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए। चिकित्सा प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों की हालत सामान्य है और आवश्यक उपचार उपलब्ध करा दिया गया है। नगर के लोगों में नगर पालिका प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि कस्बे में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उन्हें पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही।

रिटायर्ड सूबेदार की मौत के बाद भी खाते में आती रही पेंशन

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीश्याम में रिटायर्ड सेना कर्मी की मौत के बाद भी कई माह तक पेंशन निकाले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मृतक के पोते ने एटीएम कार्ड अपने पास रखकर करीब दस माह तक खाते से लाखों रुपये की धनराशि निकाल ली। मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।गांव क्षेत्र के गाव गढ़ीश्याम निवासी अजब सिंह भारतीय सेना में सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उनके खाते में प्रतिमाह पेंशन आती थी। बताया गया है कि उनके पोते सोनू के पास उनका एटीएम कार्ड रहता था।विगत14 फरवरी 2024 को अजब सिंह का निधन हो गया था। आरोप है कि निधन के बाद परिजनों ने तत्काल मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनवाया और खाते में आने वाली पेंशन की रकम निकाली जाती रही। जानकारी के अनुसार अजब सिंह को करीब 65 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती थी। आरोप है कि दिसंबर 2024 में गंगेरू स्थित पीएनबी शाखा में उनका मृत्यु प्रमाण पत्र जमा कराया गया। मामले को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्रों में चचाओं का दौर जारी है। मामले में अधिकारियों से जानकारी लेने पर कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला और प्रशासनिक अधिकारीयों ने अपना बयान भी जारी नहीं किया।

महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से दुधारा पुलिस द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से थाना दुधारा के उपनि. राम सूरत प्रसाद के नेतृत्व में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर किया गया जागरुक । इस अभियान के अंतर्गत सभी थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा दुधारा में बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

संतकबीरनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: डग्गामार और स्लीपर बसों के खिलाफ अभियान में 02 बसें सीज, कई के चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के कुशल निर्देशन में शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance) नीति के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ संतकबीरनगर पुलिस / एआरटीओ0 द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है। बृहस्पतिवार को जेडएफडी (ZFD) प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ए.आर.टी.ओ. (ARTO) संतकबीरनगर प्रियंवदा सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात श्री अमित कुमार एवं यातायात प्रभारी श्री परमहंस द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए जनपद के विभिन्न मार्गों पर अवैध रूप से संचालित डग्गामार बसों और स्लीपर बसों की सघन चेकिंग की।

कार्रवाई के मुख्य बिंदु

02 बसें सीज:- चेकिंग के दौरान आवश्यक दस्तावेज न होने और नियमों का घोर उल्लंघन पाए जाने पर 02 अवैध बसों को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

प्रेशर हॉर्न और प्रदूषण पर कार्रवाई:- ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले अवैध प्रेशर हॉर्न और तय मानकों से अधिक धुआं छोड़ने वाली (प्रदूषण फैलाने वाली) बसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके चालान काटे गए। संयुक्त टीम द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया है कि जनपद की सीमाओं के भीतर किसी भी प्रकार के अवैध वाहन संचालन, डग्गामार बसों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। आम जनता की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए इस प्रकार के औचक चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

पीडीए समाज का हित समाजवादी पार्टी के साथ सुरक्षित: मोहम्मद अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी, पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने पीडीए भवन कटघरा जौनपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश और प्रदेश की राजनीति में आज पीडीए समाज – पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग – के सम्मान, अधिकार, हिस्सेदारी और संवैधानिक सुरक्षा की सबसे मजबूत आवाज समाजवादी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी आंदोलन हमेशा सामाजिक न्याय, भाईचारे, लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई का प्रतीक रहा है। समाजवादी पार्टी ने सदैव गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, महिलाओं तथा वंचित वर्गों को राजनीतिक भागीदारी और सम्मान देने का कार्य किया है। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज देश में नफरत, विभाजन और जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति की जा रही है, जबकि समाजवादी पार्टी शिक्षा, रोजगार, किसानों की आय, सामाजिक न्याय, आरक्षण, स्वास्थ्य और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों पर संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज यह समझ चुका है कि उसका भविष्य केवल उस राजनीतिक विचारधारा के साथ सुरक्षित है जो बराबरी, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी लगातार जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठा रही है और आने वाले समय में प्रदेश तथा देश की राजनीति में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव, गली-गली जाकर समाजवादी विचारधारा को मजबूत करें तथा पीडीए समाज को एकजुट कर सामाजिक न्याय की लड़ाई को और तेज करें। प्रेस वार्ता में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक एकता, संविधान बचाने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संकल्प लिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में सभी शाखा बैंक प्रबंधकों एवं अन्य अधिकारियों के साथ हुई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर गुरुवार को कृषकों के संगठनों द्वारा जिलाधिकारी के कार्यालय में जिला सहकारी बैंक लि०, बुलन्दशहर की शाखाओं द्वारा अल्पकालीन ऋण की वसूली पर 7 प्रतिशत ब्याज की दर से ब्याज वसूले जाने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थीं। कृषक संगठनों की शिकायत सुनने के उपरांत जिलाधिकारी बुलन्दशहर द्वारा निर्देशित किया गया था कि जिला सहकारी बैंक लि०, बुलन्दशहर की शाखाओं द्वारा अल्पकालीन ऋण की वसूली पर 7 प्रतिशत ब्याज की दर से ब्याज वसूले जाने के सम्बन्ध में तथ्यों का परीक्षण करने हेतु दिनांक 20.05.2026 को सांय 06:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में बैंक के सभी शाखा प्रबन्धकों सहित समस्त सहायक विकास अधिकारियों, अपर जिला सहकारी अधिकारियों, समस्त उपमहाप्रबन्धकों, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता जनपद बुलन्दशहर एवं सचिव/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी को बैठक में भाग लेने के निर्देश दिये गये जिसके कम में उक्त सभी कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी बुलन्दशहर के सभागार में सांय 06:30 बजे अपर जिलाधिकारी प्रशासन प्रमोद कुमार पांडेय द्वारा आहूत की गयी बैठक में भाग लिया गया। उक्त बैठक में बैंक सचिव/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, जनपद बुलन्दशहर द्वारा स्पष्ट किया गया कि आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारिता उ०प्र० लखनऊ एवं उ०प्र० स्टेट कोआपरेटिव बैंक लि०, लखनऊ द्वारा समय-समय पर जारी किये गये निदेशों के सम्बन्ध में स्पष्ट किया गया है कि कृषकों से 365 दिन पूर्व लिये गये अल्पकालीन ऋण की वसूली निर्धारित समय के अंतर्गत होने पर उन सभी कृषकों से 3 प्रतिशत की दर से ही ब्याज वसूल किया जायेगा। इस सम्बन्ध में बैंक मुख्यालय द्वारा समय-समय पर परिपत्र भी जारी किया गया है। उक्त उक्त बैठक में ए०डी०एम० वित्त महोदय द्वारा समस्त शाखा प्रबन्धकों को सचेत किया गया कि शाखा से सम्बद्ध बी-पैक्स द्वारा अनिवार्य रूप से अल्पकालीन ऋण की वसूली पर 7 प्रतिशत ब्याज की दर से ब्याज की वसूली की जायेगी। यदि किसी बी-पैक्स सचिव/प्रभारी सचिव द्वारा उक्त निदेशों का अनुपालन नहीं किया जाता है तो सम्बन्धित उत्तरदायियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में ली जायेगी, जिसका समस्त उत्तदायित्व सम्बन्धितों का होगा। शाखाओं से सम्बद्ध बी-पैक्स पर अल्पकालीन ऋण की वसूली पर 3 प्रतिशत ब्याज की दर से भिन्न ब्याज वसूल किये जाने के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों द्वारा कठोर पर्यवेक्षण किया जायेगा। उक्त निदेशों के साथ ही उक्त बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाप्त हुई।

विधायक ने किया अनाज मंडी का औचक निरीक्षण, व्यापारियों की समस्याएं सुन जल्द समाधान का दिया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। क्षेत्रीय विधायक संजय शर्मा ने मंगलवार को स्थानीय नवीन कृषि अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी के व्यापारियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनाज मंडी के व्यापारियों ने विधायक संजय शर्मा को परिसर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। व्यापारियों ने बताया कि मंडी परिसर में लगे कई वाटर कूलर खराब पड़े हैं, जिससे पीने के पानी की बहुत किल्लत होती है। मंडी परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। मंडी के व्यापारी व दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करने के लिए गोदाम क्षेत्र में लाइटें लगवाने और सुरक्षा कर्मियों की नियमित पेट्रोलिंग कराने की आवश्यकता है। किसानों और व्यापारियों की शौच सुविधा के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाए। सड़क पटरी का लेवल सही करने के साथ-साथ खाली स्थानों पर इंटरलाकिंग का कार्य कराया जाए। व्यापारियों की मुख्य समस्याओं को सुनने के बाद विधायक संजय शर्मा ने नगर की अनाज मंडी को व्यापार और किसानों की गतिविधियों का मुख्य केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि यहाँ मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना बेहद जरूरी है। विधायक ने मौके पर ही मंडी निरीक्षक अजय यादव को निर्देशित किया कि व्यापारियों द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं का एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर तत्काल संबंधित विभागों को भेजा जाए, ताकि विकास कार्य जल्द से जल्द शुरू हो सकें। क्षेत्रीय विधायक संजय शर्मा के इस औचक निरीक्षण और बैठक के दौरान मुख्य रूप से मंडी व्यापार मंडल के अध्यक्ष जयप्रकाश गर्ग, पालिकाध्यक्ष किशनपाल लोधी, कृष्णकांत वाष्णेय, आदेश शर्मा, रिंकू राणा, पंकज गुप्ता, विष्णु बाबा, संजय लोधी, अमित गोयल, अशोक पहलवान सहित भारी संख्या में स्थानीय व्यापारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

> 'व्यापारी वर्ग हमारे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा और मंडी परिसर में बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।'
>
> **संजय शर्मा, क्षेत्रीय विधायक**

मेधावियों को शील्ड व प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। ब्लॉक के यश पब्लिक स्कूल सरावा का वार्षिक परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। मेधावियों को शील्ड व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को उनके पूरे वर्ष की कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं प्रधानाचार्य सर्वेन्द्र सिंह ने कहा कि बच्चों की यह सफलता उनकी एकाग्रता और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। बच्चों को आगे भी मेहनत करने की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रबंधक सुभाष सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे शिक्षकों का कड़ा परिश्रम और अभिभावकों का विश्वास है।

सहारनपुर पुलिस ने चमकाया अपना नाम: CEIR पोर्टल की मदद से बरामद किए 1 करोड़ के 310 मोबाइल फोन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह के निर्देशन में एक बड़ी सफलता हासिल की है। दूरसंचार विभाग (भारत सरकार) द्वारा विकसित उएक्फ पोर्टल का प्रभावी उपयोग करते हुए सर्विलांस सेल और थाना टीमों ने विभिन्न तिथियों में गुम हुए 310 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए हैं।

बरामद किए गए इन स्मार्टफोन्स की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई को सफल बनाने के लिए एसपी सिटी व्योम बिंदल और एसपी ग्रामीण मयंक पाठक के पर्यवेक्षण में, एएसपी/सीओ क्राइम मनोज कुमार यादव व सर्विलांस प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी थानों पर प्राप्त गुमशुदगी की शिकायतों को उएक्फ पोर्टल पर अपलोड किया और सर्विलांस की मदद से इन्हें ट्रैक किया। बरामद फोन में सैमसंग (67), ओप्पो (56), विवो (55), रेडमी (32), रियलमी (30) के अलावा आईफोन, वनप्लस और नथिंग जैसी नामचीन कंपनियों के हैंडसेट शामिल हैं। अपना खोया हुआ कीमती मोबाइल वापस पाकर नागरिकों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने सहारनपुर पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया।

ग्राहकों की नदारदगी से व्यापार की स्थिति हुई खराब

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। स्याना के बाजारों में भरपूर मंदी छा जाने से दुकानदार हाथ पर हाथ धरे बैठे देखे जा रहे हैं। खासकर छोटे व्यापारियों की व्यापारिक स्थिति ज्यादा खराब हो चुकी है।

ऐसे भी व्यापारी हैं, जिनकी सुबह से शाम तक बोहनी तक भी नहीं हो पा रही है। ऐसे में उनके समक्ष दुकानों से संबंधित खर्च, गृहस्थी का खर्च तथा देनदारी का संकट घोर चिंता के रूप में खड़ा है, जिससे उबरने के सभी प्रयास निरर्थक साबित हो रहे हैं। कुछ लोगों के अनुसार मंदी का कारण मौजूदा समय में पड़ रही भीषण गर्मी है, जिसके चलते ग्राहक बाजारों का रुख नहीं कर रहे हैं, जबकि बहुप्रतिशत लोगों का मानना है कि बढ़ती महंगाई के कारण ही ग्राहकों की खरीदारी सिरे पर पहुंच गई है तथा ग्राहक केवल अपनी अत्यंत जरूरत का सामान ही खरीदने के लिए बाजारों में आ रहे हैं। खरीदारों की खुशहाली से ही बाजार गुलजार खुशहाल होते हैं। बढ़ी महंगाई ने खरीदारों की खुशहाली छीन ली है, जिसका प्रभाव व्यापारिक क्षेत्र पर मंदी के रूप में पड़ा है।

थाना बेलहरकला पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित बाल अपचारी को किया गया निरुद्ध।

ओपन हैंडस फाउंडेशन द्वारा बच्चों की निशुल्क शिक्षा हेतु स्कूल का किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर में ओपन हैंडस अखंड रिलीफ फाउंडेशन द्वारा बच्चों की निशुल्क शिक्षा हेतु स्कूल का किया शुभारंभ, इस संस्था ने बच्चों के लिए एक नए स्कूल का शुभारंभ किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को कक्षा एक से लेकर पांचवी कक्षा तक शिक्षा प्रदान करना है, और उन्हें सामान्य शैक्षिक माहौल में एकीकृत करना है।

यह शिक्षा कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक निशुल्क प्रदान की जाएगी,जिसमें अभिभावकों को अपनी जेब से बच्चों की पढ़ाई के लिए कुछ भी खर्च नहीं करना है, यह शिक्षा ओपन हैंड फाउंडेशन बिल्कुल निशुल्क प्रदान कर रहा है,शिक्षा में बच्चों के लिए फ्री किताबें बैग पेन पेंसिल ड्रेस इत्यादि सभी चीजें प्रदान की जाएगी, एवं फाउंडेशन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएगी, फाउंडेशन मे पढ़ने वाले बच्चों के साथ में उनके परिवार वालों को भी बहुत सी सुविधाएं प्रदान की जाएगी, फाउंडेशन विभिन्न क्षेत्रों में अपनी रुचि बनाए हुए है,जिसमें मेडिकल,शिक्षा, फूड कैंटीन,पर्यावरण,स्वच्छता एवं जल बचाओ आदि सुविधाएं भी शामिल हैं, हमारे संवाददाता द्वारा बात करने पर फाउंडेशन के लोगों ने बताया कि हमारा उद्देश्य शिक्षा को आगे बढ़ाना है, जहां पर शिक्षा अभी तक नहीं पहुंच पा रही है,या अभिभावक अपने बच्चों को पढाने में अभी भी असमर्थ हैं, वहां फाउंडेशन अपनी सभी सुविधाओं को पहुंचा रहा है,ओपन हैंडस अखंड रिलीफ फाऊंडेशन ने आने वाले समय में सभी जिलों में अपना निशुल्क स्कूल खोलने का संकल्प लिया है जिसमें सभी समाज के बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं और सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं शुभारंभ में अखंड गौरव सिंह,अमितोष गर्ग,विनय चौहान, हर्षवर्धन सिंह,मोनू तिवारी,मुकेश चौहान, वीरपाल सिंह,विकास गोयल,अनिल कुमार,शकील व पुलिस चौकी स्टाफ एवं अभिभावक सहित सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राशन विक्रेता कल्याण समिति की नई कार्यकारिणी घोषित

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना। ब्लॉक ऊंचागांव में राशन विक्रेता कल्याण समिति वर्ष 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र बोस सिंह रावत द्वारा जारी की गई। जारी सूची के अनुसार जुगेन्द्र सिंह को अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी देवी को उपाध्यक्ष बुद्धा सिंह कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह सचिव और धर्मेंद्र सिंह को मीडिया प्रभारी बनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रभान सिंह रावत ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने और राशन विक्रेताओं की समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करने की अपेक्षा जताई है। और मीटिंग में मनोज कुमार शैलेश कुमार सुरेश धर्मपाल सिंह आदि राशन डीलर भी मौजूद रहे।

औद्योगिक गलियारे को लेकर ग्राम प्रधान ने एडीएम(वित्त/राजस्व) को मांगों का ज्ञापन सौंपा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। प्रधान ग्राम पंचायत कपासी पिंकी ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को प्रार्थना पत्र सौंपकर मांग की है कि औद्योगिक गलियारा सहारनपुर में विकसित करने के लिए किसानों की बेसकीमती उपजाऊ कृषि भूमि लगभग 1 हजार हेक्टेयर भूमि को चिन्हित कर अधिग्रहण करने के लिए अधिकारियों द्वारा शासन/सरकार को प्रस्ताव भेजा गया जिसमें उन्होंने मांग की है कि गांव की आबादी से औद्योगिक गलियारे का दायरा लगभग 500 मीटर अनिवार्य होना चाहिए, बनने वाले औद्योगिक गलियारे के चारों ओर गुजरते हुए लगभग 200 मी. चौडाई तक प्राकृतिक वृक्षों का घने रूप से वृक्षारोपण अनिवार्य रूप से कराया जाये, जिससे आमजन की शुद्ध हवा मिल सके, औद्योगिक गलियारे में जिस किसान की कृषि भूमि अधिग्रहण की जाये उस किसान के घर, परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाये, ग्राम पंचायत में जो सरकारी अतिरिक्त भूमि है, उसको चिन्हित करके ग्राम पंचायतों को सौंपा जाए, चिन्हित की गयी भूमि पूर्णतया उपजाऊ है, पूर्वजों के समय से किसानों के घर परिवार का पेट पालने के साथ-साथ जीवन यापन का साधन है, उनके मुख्य जीविका का आधार है, भूमि का मुआवजा चार गुना से बढाकर 8 गुना दिया जाये।

दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित आरोपी गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना बिहारीगढ़ पुलिस ने दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी अमनीश उर्फ अवनीश कुमार पुत्र राजेश निवासी ग्राम औरंगाबाद थाना बिहारीगढ़ को उसके गांव से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, थाना बिहारीगढ़ पर मुकदमा संख्या 169/2025 धारा 85/80(2) बीएनएस व 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि अभियुक्तगण ने दहेज की मांग को लेकर पूनम देवी को प्रताड़ित किया तथा जहर देकर उसकी हत्या कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक ब्रजपाल सिंह, कांस्टेबल राजकुमार, कांस्टेबल गौतम

नवनिर्मित थाना 'कोतवाली देहात' का वैदिक मन्त्रोचार से हुआ शुभारंभ

विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)। कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु आज दिनांक 21.05.2026 को नवनिर्मित थाना 'कोतवाली देहात' से विधिवत कार्य संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। भूमि पूजन एवं विधिवत कार्य का शुभारंभ नवस्थापित थाना परिसर में आज प्रातः विधि-विधान के साथ भूमि पूजन अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद के जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, सदर विधायक राजेन्द्र मौर्या एवं विश्वनाथगंज विधायक जीतलाल पटेल की उपस्थिति में थाना 'कोतवाली देहात' के अंतर्गत आधिकारिक रूप से पुलिसिंग कार्यों का संचालन प्रारंभ किया गया।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) बृजनन्दन राय, संयुक्त मजिस्ट्रेट श्रीमती अनुष्का शर्मा, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर प्रशान्त राज, क्षेत्राधिकारी रानीगंज विनय प्रभाकर साहनी, क्षेत्राधिकारी लाइन शिवनारायण वैस एवं थाना प्रभारी उदयपुर/सहायक पुलिस अधीक्षक मो. आफताब आलम (परिवीक्षाधीन आईपीएस) सहित जनपद के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्य संचालन प्रारंभ करने के उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से थाना परिसर का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने नवस्थापित कार्यालयों, मालखाना, हवालात, कंप्यूटर कक्ष तथा विशेष रूप से जनसुनवाई कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि: जन-सुलभ पुलिसिंगः थाना परिसर जनता की समस्याओं के समाधान का प्रथम केंद्र है, अतः प्रत्येक फरियादी के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। गुणवत्तापूर्ण निस्तारणः प्राप्त शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

तकनीकी एवं प्रशासनिक सुदृढ़ताः अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव, थाना परिसर की नियमित साफ-सफाई एवं ऑनलाइन सेवाओं के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय निवासियों ने थाना कोतवाली देहात से कार्य संचालन प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था एवं त्वरित पुलिस सेवा की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताया है।

गन्ना किसानों के हक में सांसद राजकुमार सांगवान ने उठाई आवाज, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मिलकर रखीं चार अहम मांगें

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बागपत लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजकुमार सांगवान ने नई दिल्ली में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों से जुड़े अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने वर्तमान गन्ना क्रय एवं भुगतान प्रणाली के सापेक्ष तैयार किए जा रहे गन्ना (नियंत्रण) आदेश 2026 में किसानों के हित में व्यावहारिक सुधार करने की मांग रखी।

सांसद सांगवान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गन्ना किसान बड़ी संख्या में चीनी मिलों पर निर्भर हैं, लेकिन कई मिलें समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं करतीं। इससे किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग रखी कि जो चीनी मिलें निर्धारित समय में किसानों का पूरा भुगतान नहीं करतीं, उनके गन्ना क्रय क्षेत्र यानी कांटे कम किए जाएं। वहीं, जो मिलें समय से भुगतान करती हैं, उन्हें अधिक गन्ना क्षेत्र आवंटित किया जाए।

इससे मिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों को समय पर भुगतान मिल सकेगा। इसके साथ ही सांसद ने चीनी मिलों के लिए गन्ना क्षेत्र में सी एस आर आधारित न्यूनतम निवेश की व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक चीनी मिल द्वारा न्यूनतम 1000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से गन्ना क्षेत्र के विकास, किसानों के प्रशिक्षण, तकनीकी विस्तार और आधारभूत सुविधाओं पर खर्च सुनिश्चित किया जाए। इससे गन्ने की उत्पादकता, गुणवत्ता और किसानों की आय में स्थायी सुधार होगा।

सांसद राजकुमार सांगवान ने ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत उपयोग के लिए चलने वाली छोटी गुड़ निर्माण इकाइयों यानी कोल्हू को पंजीकरण से छूट देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसान अपनी जरूरत के लिए परंपरागत तरीके से गुड़ बनाते हैं।

ऐसे किसानों पर पंजीकरण की अनिवार्यता प्रशासनिक और आर्थिक बोझ बढ़ाती है। इसलिए व्यक्तिगत उपयोग वाले छोटे कोल्हू को पंजीकरण से मुक्त किया जाना चाहिए। इसके अलावा सांसद ने चीनी मिलों के बीच दूरी की बाध्यता समाप्त करने की मांग भी केंद्रीय मंत्री के सामने रखी। उन्होंने कहा कि इन सुझावों पर अमल होने से किसानों का हित सुरक्षित होगा, गन्ना उद्योग में पारदर्शिता बढ़ेगी और भुगतान व्यवस्था भी मजबूत होगी। सांसद राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि गन्ना (नियंत्रण) आदेश 2026 में इन सुझावों को गंभीरता से शामिल किया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिल सके।

बिजली की समस्या को लेकर सभासदों ने अधिशासी अभियंता से मिले

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बिजली समस्या को लेकर सभासद संघर्ष समिति के अध्यक्ष वेद प्रकाश नेतृत्व में पालिका सभासद गण सीकरी खुर्द रोड स्थित विद्युत अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचे ।जहां उन्होंने नगर में बढ़ती जा रही विद्युत कटौती के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा की दिन पर दिन बिजली कटौती आदि समस्याएं बढ़ती जा रही हैं,और बिजली समस्या के लिए फोन करने पर भी जनप्रतिनिधियों के फोन नहीं उठाए जाते हैं। मौके पर मौजूद विद्युत अधिकारियों द्वारा सभी समस्या समाधान के लिए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर मौजूद रहे सभासदों में मुख्य रूप से सभासद संघर्ष समिति के अध्यक्ष वेद प्रकाश चौधरी, बबलू कौशिक,प्रदीप शर्मा, रजनीश चौधरी,सुबह सिंह, संजय चौधरी,कृष्ण पाल,गुलाब सिंह,दुष्यंत यादव,रईसुद्दीन, राहुल राणा,ललित त्यागी आदि मौजूद रहे।

आईपीईसी में मेगा पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव, 80 विद्यार्थियों को मिला रोजगार

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय मेगा पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला। प्लेसमेंट ड्राइव में आसपास के इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संस्थानों के बीटेक, एमबीए, एमसीए, बीबीए, बीकॉम और बीसीए के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्लेसमेंट ड्राइव में 36 बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने प्रतिभाग किया। प्रमुख कंपनियों में स्ट्रांसमैट्रिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, हाइक एजुकेशन, 3आई इन्फोटेक, एसबीआई, एचसीएल गुवी, उषा, वर्धमान, एचडीबी बैंक, मुथूट फाइनेंस, बजाज और कॉग्निजेंट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल रहीं।

कंपनियों ने तकनीकी, प्रबंधन, बैंकिंग, विपणन एवं सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े विभिन्न पदों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की। इस मेगा प्लेसमेंट अभियान में गलगोटिया यूनिवर्सिटी, महर्षि मारकंडेश्वर यूनिवर्सिटी, आईएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईएमटी यूनिवर्सिटी, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, आरकेजीआईटी तथा अजय कुमार गर्ग इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट सहित 56 शिक्षण संस्थानों के लगभग 600 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

कंपनियों द्वारा लिखित परीक्षा, तकनीकी परीक्षण एवं मानव संसाधन साक्षात्कार के बाद 80 छात्र-छात्राओं का अंतिम चयन किया गया। इनमें हाइक एजुकेशन ने सबसे अधिक 7 लाख 62 हजार रुपये वार्षिक वेतन पैकेज पर विद्यार्थियों का चयन किया। संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कैंपस निदेशक डॉ. डी.के. शर्मा, प्लेसमेंट निदेशक आकांक्षा अग्रवाल, शैलेंद्र कुमार सिंह एवं राधा सहित कई शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अंकुर विहार पुलिस ने दबोचे दो वाहन चोर, 18 चोरी के वाहन बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अंकुर विहार थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दिल्ली, गाजियाबाद और लोनी क्षेत्र से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिल, पांच स्कूटी और एक विक्की बरामद की है।गिरोह का एक अन्य सदस्य मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। जानकारी के अनुसार अंकुर विहार थाना पुलिस बुधवार रात अल्वी नगर कॉलोनी के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने अलग-अलग दो मोटरसाइकिलों पर आ रहे तीन युवकों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर आरोपी घबरा गए और बाइक मोड़कर भागने लगे।इसी दौरान एक बाइक फिसलकर गिर गई, जिसके बाद पुलिस ने दो युवकों को मौके से पकड़ लिया, जबकि तीसरा युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपने नाम अमजद निवासी प्रेम नगर थाना लोनी और बिलाल निवासी नसबंदी कॉलोनी थाना अंकुर विहार बताए हैं।वहीं फरार आरोपी की पहचान माजिद निवासी प्रेम नगर थाना लोनी के रूप में हुई है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि बरामद बाइक को उन्होंने एक माह पहले डीएलएफ छठ घाट अंकुर एन्क्लेव क्षेत्र से चोरी किया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर डीएलएफ सी ब्लॉक स्थित झाड़ियों में छिपाकर रखे गए अन्य वाहन भी बरामद किए। इनमें 11 मोटरसाइकिल, पांच स्कूटी और एक विक्की शामिल हैं। पुलिस अब बरामद वाहनों के मालिकों की जानकारी जुटाने के साथ ही फरार आरोपी की तलाश में लगी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शहर कांग्रेस कमेटी मोदीनगर द्वारा 21 मई 2026 को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प समर्पित कर कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन ने कहा कि राजीव गांधी 40 साल की उम्र में भारत के प्रधानमंत्री बनने वाले सबसे युवा व्यक्ति थे।

वे सिर्फ पाँच साल इस पद पर रहे। लेकिन इन पाँच साल में भारत में सामाजिक न्याय, पंचायतीराज, आधुनिक टेक्नोलॉजी और विकास के एक नए युग का सूत्रपात हुआ।पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा ने कहां कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांतिःभारत में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और दूरसंचार क्षेत्र का अग्रदूत माना जाता है।ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पंचायती राज और स्थानीय स्वशासनः राजीव गांधी ने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन, पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, मंडल अध्यक्ष राकेश सोनी, रामकिशन शर्मा, ओमपाल शर्मा, आरिफ रिजवी, अनस सैफी, रजनी शर्मा, समसा बेगम, ममता, भिखारी लाल कश्यप, वेद प्रकाश कोरी, हरीश खुल्लर, जहूर खान, रहमान अहमद, शमशाद, आकाश तंवर, महेश दत्त शर्मा और कामेश शर्मा के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, चार युवक घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर ईएसआई अस्पताल के निकट गुरुवार सुबह एक स्विफ्ट कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चालक समेत दो युवकों की मौत हो गई, जबकि चार युवक घायल हो गए। गंभीर हालत में चारों को मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक परतापुर थाना क्षेत्र के गांव कुंडा निवासी आदेश (32) बुधवार रात गांव के ही कुलदीप, रोहित, आदेशपाल और गांव रिठानी निवासी हिमांशु के साथ लोनी निवासी अपने दोस्त अंकित तिवारी से मिलने गए थे। गुरुवार सुबह करीब पांच बजे सभी युवक स्विफ्ट कार से मेरठ लौट रहे थे। ईएसआई अस्पताल के निकट अचानक कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर नमो भारत के पिलर से जा भिड़ी। इसके बाद कार दो बार पलटी खाकर सड़क पर जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि रोहित को छोड़कर बाकी पांच युवक कार में फंस गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने राहगीरों की मदद से युवकों को बाहर निकाला। तब तक आदेश और अंकित की मौत हो चुकी थी। बताया गया कि कार पलटने के बाद रोहित किसी तरह बाहर निकल आया और अस्पताल पहुंच गया। अन्य घायलों को भी अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान मेरठ के गांव कुंडा निवासी आदेश और लोनी, गाजियाबाद निवासी अंकित तिवारी के रूप में हुई है। घायलों में तीन युवक गांव कुंडा और एक गांव रिठानी निवासी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी।

अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल लखनऊ में शीर्ष नेताओं से मिला

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र के निष्ठावान भाजपा कार्यकर्ता लखनऊ जाकर शीर्ष नेतृत्व से मिले और महिला कार्यकर्ता के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर उन्हें अवगत कराया। लखनऊ से लौट कर आए कार्यकर्ताओं द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि नितिन मित्तल का इस्तीफा तो हो चुका है और अगर जिला अध्यक्ष इसे सार्वजनिक नहीं कर रहे हैं तो फिर उस पर कार्रवाई होगी और उसका निष्काषन लखनऊ से किया जाएगा। उनका कहना था कि पुलिस एफ आई आर दर्ज है उस पर कार्रवाई हो पार्टी नितिन की कोई सहायता नहीं करेगी और फिर भी यदि कोई नितिन मित्तल की सहायता करता पाया जाता है, तो पार्टी उस पर भी कार्रवाई करेगी। इस प्रकार के गलत व्यवहार वाले लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं है। उनके पश्चात सभी कार्यकर्ता उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, के बिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह आदि से मिले और अपना विषय रखा तो सभी ने बोला कि 2027 विधानसभा चुनाव आ रहा है ऐसे में जो भी पार्टी में कार्यकताओं के साथ गलत व्यवहार करेगा, आने वाले चुनाव में पार्टी के नुकसान पहुंचाने का कार्य करेगा उसे बख्शा नहीं जायेगा। मोदीनगर आकर सभी कार्यकर्ता विधायक डॉ मंजू सिवाच से भी मिले और सारा विषय उनके सामने भी विस्तार से रखा। लखनऊ में वरिष्ठ नेताओं से हुआ वातालाप भी उनके साथ साझा किया और उन्हें भी एक पत्र सौंप कर इस पर शीघ्र अति शीघ्र न्यायपूर्ण करवाई करने की मांग रखी गई।

किसान मोर्चा के जिला मंत्री संजय त्यागी ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष की मुलाकात

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री एवं वरिष्ठ नेता संजय त्यागी ने संगठन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर लखनऊ में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रजबहादुर से मुलाकात की संजय त्यागी ने बताया कि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का मोदीनगर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा । इस मौके पर एस के मिश्रा शाहजहांपुर जिला अध्यक्ष, आलोक सिंह उपाध्यक्ष, यूपी सीवी,अरुण नेता आदि प्रमुख लोग साथ रहे।

निवाड़ी बिजली घर पर किसानों का धरना प्रदर्शन, समस्याओं के समाधान की मांग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत निवाड़ी बिजली घर पर क्षेत्र के किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि निवाड़ी, पतला, खिदोड़ा, मोहम्मदपुर, झलावा सहित आसपास के गांवों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है, जिससे किसानों को सिंचाई में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों ने बताया कि कई गांवों के खेतों में जर्जर बिजली लाइनें लटकी हुई हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। वहीं मोहम्मदपुर गांव में ट्रांसफार्मर पर लोड कम होने के कारण करीब 15 किसानों के खेतों में सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पंचायत निवाड़ी में रात्रि के समय लाइनमैन की व्यवस्था न होने से पूरी-पूरी रात बिजली गुल रहती है।

धरने के दौरान किसानों ने बताया कि नगर पंचायत निवाड़ी में करीब 15 से 20 बिजली के खंभे जर्जर हालत में हैं और 11000 वोल्ट की लाइन के नीचे खड़े हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो मोदीनगर स्थित बिजली विभाग के एक्शन कार्यालय पर बड़ा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरने में भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सतेंद्र त्यागी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश महासचिव रोहित त्यागी, युवा नेता अंकित त्यागी, वाइस चेयरमैन आदित्य त्यागी, सभासद गोलू त्यागी, विक्की त्यागी, मोंटी त्यागी, जगदीश, मंगेश्वर, राज प्रकाश त्यागी, ताहिर खान, देवांश त्यागी, आशीष, शुभम त्यागी, कपिल गर्ग, सुबोध कुमार, मदनलाल फौजी, सचिन कुमार, निक्कू त्यागी, अफजल, ब्रह्मदत्त त्यागी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

नंदग्राम पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बिजली घर से तांबे की रॉड चोरी करने वाले 03 अभियुक्त गिरफ्तार, 11 रॉड बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना नन्दग्राम पुलिस टीम ने बिजली घर से कॉपर (तांबे) की रॉड चोरी करने वाले तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई 11 तांबे की रॉड बरामद की हैं।

घटना का विवरण

दिनांक 21-05-2026 को वादी श्री पुष्पेंद्र कुमार, अवर अभियन्ता, 33 केवी ट्रांस हिंडन, थाना नन्दग्राम, गाजियाबाद द्वारा सूचना दी गई कि बिजली घर नन्दग्राम के कार्यालय से कॉपर रॉड चोरी हो गई हैं। सूचना पर तत्काल थाना नन्दग्राम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

पुलिस कार्यवाही

घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना स्तर पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। मुखबिर तंत्र सक्रिय कर एवं घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की गई। दिनांक 21-05-2026 को चेकिंग के दौरान गोल चक्कर के पास धन-धन सतगुरु आश्रम की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 11 तांबे की रॉड बरामद हुईं।

आगे की कार्रवाई

अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा मामले की जांच जारी है।

दीपक नागर हत्याकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, हथियार बरामद; मुख्य आरोपी अभी फरार

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। दीपक नागर हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो और आरोपियों को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। बुधवार रात वैदपुरा गांव में ड्यूटी पर जा रहे दीपक नागर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

इस मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों–नवीन, अभी उर्फ अभय, आकाश और मोगली उर्फ पवन–को गिरफ्तार कर चुकी है। परिजनों की तहरीर के आधार पर गांव के कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। गुरुवार को थाना ईकोटेक-3 थाना पुलिस को सूचना मिली कि घटना में शामिल दो आरोपी डी पार्क सर्विस रोड के पास छिपे हुए हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दोनों आरोपी घायल हो गए।

घायल आरोपियों की पहचान हर्ष उर्फ राधे और जगत सिंह के रूप में हुई है, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस ने उनके कब्जे से .315 बोर के दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार इस पूरे मामले का मुख्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

साहिबाबाद के पैसिफिक मॉल में सिनेमा हॉल में लगी भीषण आग, 10 दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में पाया काबू

कपिल चौहान

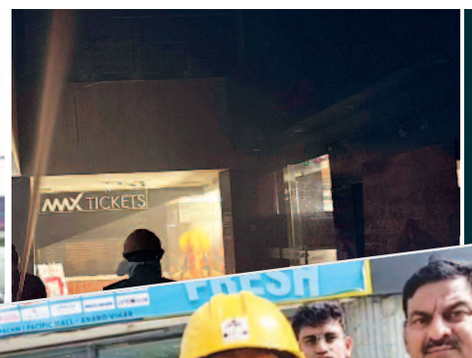

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद स्थित पैसिफिक मॉल के सिनेमा हॉल में गुरुवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग सिनेमा के प्रोजेक्टर रूम और मूवी हॉल में लगी, जिससे पूरे मॉल में धुएं का गुबार फैल गया। सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पाकर बड़ा हादसा टाल दिया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। कमिश्नरेट गाजियाबाद को सुबह 7:21 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद और प्रभारी अग्निशमन अधिकारी वैशाली दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर सिनेमा हॉल के प्रोजेक्टर रूम और मूवी हॉल में भीषण आग धधक रही थी, जिससे पूरे मॉल में धुआं भर गया था। फायर विभाग ने मॉल के फायर फाइटिंग सिस्टम और होज पाइप की आठ लाइनों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए फायर स्टेशन कोतवाली और साहिबाबाद से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भी मौके पर बुलाई गईं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कुल 10 फायर टेंडर्स की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फायर कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए मॉल में स्थित ऑडी और अन्य दुकानों को भी आग की चपेट में आने से बचा लिया।

फिलहाल एग्जास्ट सिस्टम के जरिए मॉल में फैले धुएं को बाहर निकाला जा रहा है। फायर विभाग की तत्परता और तेज कार्रवाई से एक बड़ा अग्निकांड टल गया।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया नमन

बूथ स्तर पर वोटर लिस्ट सत्यापन अभियान का भी आगाज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, सेंट्रल मार्केट पुराने बस अड्डे गाजियाबाद में गुरुवार को जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी देश में संचार और कंप्यूटर क्रांति के अग्रदूत थे। उनके कार्यकाल में तकनीकी विकास को बढ़ावा मिला, जिसके कारण देश डिजिटल युग की ओर आगे बढ़ा। साथ ही 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिए जाने को भी उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल बताया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने राजीव गांधी के योगदान पर अपने विचार रखे तथा 'जब तक सूरज चांद रहेगा, राजीव तेरा नाम रहेगा' और 'राजीव गांधी अमर रहे' जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, सुशांत गोयल, लोकेश चौधरी, पार्षद सुनील चौधरी, सलमान मंसूरी, एनएसयूआई अध्यक्ष जितेंद्र कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में मंडल एवं बूथ अध्यक्षों को वोटर लिस्ट वितरित की गई।

पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में मतदाता सूची का भौतिक सत्यापन कर वास्तविक रिपोर्ट तैयार करें। इसके बाद रिपोर्ट जिला अध्यक्ष को सौंपी जाएगी, जिसे आगे डीएम कार्यालय में आपत्ति/अनापत्ति के साथ जमा कराया जाएगा।

जनता दर्शन में डीएम की सख्ती व संवेदनशीलता

शिकायतों का मौके पर निस्तारण, जरूरतमंद को मिली राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी गाजियाबाद, श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक नियमित रूप से जन शिकायतें सुनें तथा आवश्यकता अनुसार जूम के माध्यम से भी शिकायतकताओं से संवाद स्थापित कर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जिससे फरियादियों को तत्काल राहत मिली। साथ ही विभिन्न मामलों में संबंधित अधिकारियों से ऑनलाइन संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान उमाशंकर मिश्र द्वारा अवगत कराया गया कि उनके पुत्र विकास मिश्र कैंसर से पीड़ित हैं और उपचार हेतु आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। इस पर जिलाधिकारी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कराई। साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता उपलब्ध कराने हेतु आवेदन की प्रक्रिया भी प्रारंभ कराई गई। इसके अतिरिक्त मोदीनगर निवासी एक किसान द्वारा अपनी समस्या के समाधान पर संतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी का आभार प्रकट किया गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की तत्परता से आमजन को वास्तविक राहत मिल रही है। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी द्वारा पारदर्शी, संवेदनशील एवं त्वरित प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर बल दिया गया।

दिव्यांगों के सपनों को मिली उड़ान: रोजगार मेले में बांटे गए नियुक्ति पत्र, 13 अभ्यर्थियों का चयन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शास्त्री नगर स्थित विजय कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित विशेष रोजगार मेले में दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। कार्यक्रम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने चयनित दिव्यांगजनों को नियुक्ति एवं प्रशस्ति प्रमाणपत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। रोजगार मेले में कुल 61 दिव्यांगजनों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 13 अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया गया। इनमें से 8 चयनित अभ्यर्थियों को मंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मेले में ऑटोमोबाइल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी रस्त्र१' द्रल्ल्िं ने सहभागिता की। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी के नोएडा स्थित संयंत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं, रोजगारपरक कार्यक्रमों और स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही कहा कि दिव्यांग पेंशन को ₹1000 से बढ़ाकर ₹1500 करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में कॉलेज प्रशासन, विभागीय अधिकारी, कंपनी प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे।

मैरिज होम संचालक पर फायरिंग: गेट खोलते ही बदमाशों ने बरसाईं गोलियां, चाचा घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के धनसिया गांव में मैरिज होम संचालक पर देर रात फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। हमले में संचालक के चाचा नरेश गोली के छर्रे लगने से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, धनसिया गांव निवासी नीरज कुमार के भाई हिमांशु का गांव में मैरिज होम है। बुधवार रात तीन युवक वहां पहुंचे और पहले गाली-गलौज व मारपीट की। बाद में ग्रामीणों के समझाने पर मामला शांत हो गया, लेकिन जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि देर रात वही तीनों युवक दोबारा हिमांशु के घर पहुंचे और गेट खोलते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान नीरज ने जैसे ही गेट खोला, एक आरोपी ने अवैध हथियार से फायरिंग कर दी। नीरज बाल-बाल बच गए, जबकि गेट के पास खड़े उनके चाचा नरेश को चेहरे, गर्दन और छाती में छर्रे लग गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ जेवर कोतवाली में तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गीला-सूखा कचरा रखें अलग, नालों में कचरा डालने पर लगेगा जुर्माना

नगर निगम का बाजारों में जनजागृति अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जन जागृति सप्ताह के अंतर्गत गाजियाबाद नगर निगम ने शहर के विभिन्न मार्केट क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान दुकानदारों को गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने तथा कचरे का उचित निस्तारण करने के लिए जागरूक किया गया।

नगर निगम की टीम ने व्यापारियों और नागरिकों से अपील की कि नालों में कचरा न डालें, क्योंकि इससे जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होती है और गंदगी बढ़ती है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नालों में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ जुर्मात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के तहत दुकानदारों को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे को अलग-अलग संग्रहित करने और नगर निगम के स्वच्छता प्रयासों में सहयोग करने का संदेश दिया गया। नगर निगम ने शहरवासियों से भी स्वच्छ और सुंदर गाजियाबाद बनाने में सहभागिता निभाने की अपील की है।

एनसीआर के वाहन चोरों पर अंकुर विहार पुलिस का शिकंजा

दो शातिर गिरफ्तार, 18 चोरी के वाहन बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना अंकुर विहार पुलिस ने एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही और कब्जे से चोरी किए गए कुल 18 वाहन बरामद किए हैं, जिनमें 12 मोटरसाइकिल, 5 स्कूटी और एक विक्की शामिल है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को चेकिंग अभियान के दौरान थाना क्षेत्र से अमजद और बिलाल नामक दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों के वाहन चोरी गिरोह से जुड़े होने की जानकारी सामने आई।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एनसीआर के विभिन्न इलाकों से चोरी किए गए वाहन बरामद किए। बरामद वाहनों के संबंध में दिल्ली और गाजियाबाद में चोरी के मुकदमे दर्ज पाए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान वाहन चोरी के अन्य मामलों के खुलासे की भी संभावना है।

आईपीईसी के मेगा प्लेसमेंट में चमके युवाओं के सपने, 80 छात्रों को मिला रोजगार

36 बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मौजूदगी, 7.62 लाख रुपये सालाना पैकेज ने बढ़ाया उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में आयोजित दो दिवसीय मेगा पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर साबित हुई। कार्यक्रम में 36 बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने हिस्सा लिया, जहां चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 80 छात्र-छात्राओं को नौकरी मिली। प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक, एमबीए, एमसीए, बीबीए, बीकॉम और बीसीए के विद्यार्थियों के साथ विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। इस अभियान में 56 शिक्षण संस्थानों के करीब 600 छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

भर्ती प्रक्रिया में स्ट्रांसमैट्रिक कंसल्टिंग, हाइक एजुकेशन, 3आई इन्फोटेक, एसबीआई, एचसीएल गुवी, उषा, वर्धमान, एचडीबी बैंक, मुथूट फाइनेंस, बजाज और कॉग्निजेंट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सा लिया। कंपनियों ने लिखित परीक्षा, तकनीकी परीक्षण और एचआर इंटरव्यू के माध्यम से चयन किया। चयनित विद्यार्थियों में हाइक एजुकेशन ने सबसे अधिक 7.62 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर भर्ती कर आकर्षण का केंद्र बनी।

संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। कार्यक्रम में कैंपस निदेशक डॉ. डी.के. शर्मा, प्लेसमेंट निदेशक आकांक्षा अग्रवाल सहित कई शिक्षक व अधिकारी मौजूद रहे।